RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 274 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 02-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मतगणना केंद्र पर 'ड्रामाबाजी' कर रहीं ममता बनर्जी : शुभेंदु

6 परमाणु हथियारों से दुनिया का तीन बार विनाश संभव!

7 आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं : अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

भारत, तंजानिया ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए स्थानीय मुद्राओं में व्यापार शुरू करने पर चर्चा की है। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। दोनों देशों ने भारतीय कारोबारियों के लिए दीर्घकालिक व्यापार वीजा की सुविधा, दवा क्षेत्र में नियामकीय सहयोग और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जहाज निर्माण जैसे क्षेत्रों में क्षमता निर्माण पर भी विचार-विमर्श किया। ये मुद्दे 29-30 अप्रैल, 2026 को तंजानिया के दार-एस-सलाम में आयोजित भारत-तंजानिया संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में उठाए गए। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और तंजानिया के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव डॉ. सैमवेल विलियम शेलुकिंडो ने की।

तेलंगाना में दवा फैक्टरी में विस्फोट, छह लोग झुलसे

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के नालगोंडा जिले में शुक्रवार को एक दवा फैक्टरी के संयंत्र में विस्फोट होने से छह लोग झुलस गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि चित्याल के पास स्थित दवा फैक्टरी के संयंत्र में दबाव के चलते विस्फोट होने का अंदेशा है। अधिकारी के मुताबिक, जब यह विस्फोट हुआ, उस समय आठ लोग फैक्टरी में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच लोग 10-15 प्रतिशत तक, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। अधिकारी ने कहा कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तान: पुलिस वाहन पर लक्षित हमला, कांस्टेबल की मौत, नागरिक घायल

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में शुक्रवार को अज्ञात उग्रवादियों द्वारा पुलिस के एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक आरक्षी की मौत हो गई और एक नागरिक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। शुरुआती खबरों के अनुसार, यह घटना अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में हुई। पुलिस का एक बख्तरबंद वाहन उस समय नियमित गश्त पर था तभी उग्रवादियों ने उसे रॉकेट से निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि हमले में मुंदन थाने में तैनात आरक्षी राज अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद एक नागरिक भी घायल हुआ है जिसे इलाज के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू किया गया है।

02-05-2026 सूर्यास्त 6:24 बजे | 03-05-2026 सूर्योदय 5:47 बजे

BSE	NSE
76,913.50	23,997.55
(-582.86)	(-180.10)

सोना	चांदी
15,490 रु.	249,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की तारीख अभी तय नहीं : खरगे

- खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस नेतृत्व किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले परामर्श प्रक्रिया का पालन करता है।
- खरगे ने पार्टी अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि अंतिम निर्णय सभी के लिए बाध्यकारी होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कलबुर्गी/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा के लिए अभी तक कोई तारीख तय नहीं की गई है। खरगे की यह टिप्पणी कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को लेकर तेज होती अटकलों के बीच आई है।

अपने गृहनगर कलबुर्गी में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेतृत्व संबंधी कोई भी निर्णय पार्टी के आला कमान द्वारा उचित विचार-विमर्श के बाद सामूहिक रूप से लिया जाएगा। उन्होंने अपने बयान का गलत अर्थ निकाले जाने के प्रति आगाह भी किया।

खरगे ने कहा, देखिए, हम तीनों मिलकर निर्णय लेंगे-मैं कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में,

सोनिया गांधी कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख के रूप में और राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में। इसीलिए, हम हमेशा मिलकर काम करते हैं। उन्होंने कहा, जब हम तीनों मिलकर कोई तारीख तय करेंगे, तब निर्णय लेंगे। चूंकि, अभी तक कोई तारीख तय नहीं हुई है, तो मैं कैसे कह सकता हूं कि बदलाव हो रहा है या नहीं?

खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस नेतृत्व किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले परामर्श प्रक्रिया का पालन करता है। उन्होंने कहा, आला कमान में हम आपस में विस्तृत चर्चा करते हैं और अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी सलाह लेते हैं। हम संभावित परिणामों पर विचार करते हैं और फिर उसी के अनुसार कदम उठाते हैं। खरगे ने दोहराया कि कोई समयसीमा तय नहीं की गई है और कहा, जब भी ऐसा होगा, मैं आपको जरूर सूचित करूंगा। कृपया इसकी गलत व्याख्या नहीं करें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह अक्सर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से बचते हैं, ताकि उनकी बातों की गलत रूप से व्याख्या न की जाए।

किश्तवाड़ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के चतरू इलाके में तलाशी अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने सिगड़ी भाटा क्षेत्र के बाजमांडू जंगल में स्थित आतंकवादियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने बताया कि यह ठिकाना एक आतंकवादी कमांडर का था जिसे सेना ने पहले ही ढेर कर दिया है। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए हथियारों और गोला-बारूद के जखीरे में मैगजीन सहित एक कार्बाइन बंदूक, मैगजीन सहित एक पिस्तौल, एक स्लिंग, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर , 51 मिमी रॉकेट और चार डेटोनेटर के साथ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा 9 मिमी के 97 कारतूस, 7.62 मिमी के 18 कारतूस, एक किलोग्राम विस्फोटक, एक केनवुड रेडियो सेट और दो मोटोरोला रेडियो सेट भी बरामद किए हैं।

किसान

कर्नाटक के चिक्कमगलुरु के पास शुक्रवार को बारिश के बीच एक किसान अपनी गायों के साथ खेतों की ओर जाता हुआ।

विहिप ने की मंदिरों का नियंत्रण हिंदुओं को सौंपने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मांग की है कि हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के मंदिरों का नियंत्रण हिंदू समुदाय को सौंपे। यहां बृहस्पतिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विहिप के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने आरोप लगाया कि जहां अन्य धर्मों के पूजा स्थलों का प्रबंधन संबंधित समुदायों द्वारा किया जाता है, वहीं हिमाचल प्रदेश के 37 प्रमुख मंदिर अब भी सरकार के नियंत्रण में हैं।

इसे धार्मिक असमानता करार देते हुए उन्होंने मांग की कि इन मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समुदाय को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मंदिरों की आय

हर वर्ष सैकड़ों करोड़ रुपए में होती है। इस राशि का उपयोग केवल धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों के लिए होना चाहिए, न कि प्रशासनिक खर्चों के लिए।

परांडे ने कहा कि इन मंदिरों में हर वर्ष 200 करोड़ रुपए से अधिक का चढ़ावा आता है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले श्रद्धालु मंदिरों के विकास, लंगर, सेवा और अन्य कार्यों के लिए दान देते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में इन 37 मंदिरों की वार्षिक आय 200.59 करोड़ रुपए रही, जबकि इनके पास 346.26 करोड़ रुपए की सावधि जमा (एफडी) है। ''मंदिरों के खजाने में पर्याप्त मात्रा में सोना और चांदी भी है।'' उन्होंने कथित 'लैंड जिहाद' को लेकर भी चिंता जताई और दावा किया कि राज्य के कई क्षेत्रों में सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण और निर्माण हो रहे हैं, जिन पर तत्काल सख्ती से कार्रवाई की जानी चाहिए।

हिमाचल प्रदेश में कथित 'लव जिहाद' और धर्मांतरण की बढ़ती घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन मुद्दों पर ठोस कदम नहीं उठाती है तो संगठन व्यापक जनजागरूकता अभियान और आंदोलन शुरू करेगा।

ब्रिटनी स्पीयर्स पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

लॉस एंजिलिस/एपी। अमेरिकी गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स पर कैलिफोर्निया में मादक पदार्थ और शराब के नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वेंचुरा काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय ने बताया कि 44 वर्षीय 'पॉप' गायिका पर शराब पीकर और मादक पदार्थ के नशे में गाड़ी चलाने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया गया। इस मामले में स्पीयर्स के प्रतिनिधि ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। आपराधिक शिकायत में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि स्पीयर्स पर किस प्रकार की शराब या मादक पदार्थों का कितनी मात्रा में सेवन करने का आरोप है। 'कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल' (सीएचपी) के अनुसार, स्पीयर्स को चार मार्च को उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह अपने घर के पास यूएस 101 पर अपनी काली बीएमडब्ल्यू तेज और अनियंत्रित तरीके से चला रही थी। सीएचपी ने बताया कि वह नशे में लग रही थीं और बाद में जांच के बाद उन्हें शराब और मादक पदार्थों के संयुक्त प्रभाव में वाहन चलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया।

घरेलू उड़ानों के लिए विमानन ईंधन की कीमतें स्थिर

वाणिज्यिक एलपीजी, पांच किलोग्राम सिलेंडर के दाम बढ़े

- होटल एवं रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19-किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 993 रुपए बढ़ाकर रिकॉर्ड 3,071.50 रुपए कर दी गई।
- पांच किलोग्राम एफटीएल या बाजार मूल्य वाले एलपीजी सिलेंडर की दरें 549 रुपए से बढ़ाकर 810.50 रुपए प्रति सिलेंडर कर दी गईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू विमानन कंपनी के लिए विमान ईंधन की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं किया गया। इससे इन कंपनियों को राहत मिली। हालांकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के साथ वाणिज्यिक एलपीजी और पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दी है।

इसके साथ ही, होटल एवं रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19-किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 993 रुपए बढ़ाकर रिकॉर्ड 3,071.50 रुपए कर दी गई। पांच किलोग्राम एफटीएल या बाजार मूल्य वाले एलपीजी सिलेंडर की दरें 549 रुपए से बढ़ाकर 810.50 रुपए प्रति सिलेंडर कर दी गईं।

अब पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर (जिसे घरेलू एलपीजी कहा जाता है) की 913 रुपए की कीमत से थोड़ा ही कम रह गई है।

इसके अलावा, दूरसंचार सिग्नल टावर जैसे औद्योगिक

उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले थोक डीजल की कीमत लगभग 137 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 149 रुपए प्रति लीटर से अधिक कर दी गई। यह कीमत पेट्रोल पंप पर उपलब्ध 87.62 रुपए प्रति लीटर डीजल की तुलना में अधिक है।

घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमत 1,04,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर पर स्थिर रखी गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने विमानन कंपनियों और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए वैश्विक ईंधन कीमतों में वृद्धि को स्वयं वहन करने का निर्णय लिया है।

अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए दरें एक अप्रैल को दोगुनी से अधिक 1,435.31 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दी गई थी। तब भी तेल कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी ही की थी। पश्चिम एशिया युद्ध से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण आवश्यक बढ़ोतरी को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों द्वारा एटीएफ पर लिए गए इन निर्णयों से एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी घरेलू विमानन कंपनियों को राहत मिलेगी, जिन्होंने निर्धारित मासिक संशोधन से पहले ही क्षेत्र के 'अत्यधिक दबाव' में होने की बात कही थी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने सरकार को लिखे पत्र में कहा था कि ''एटीएफ लागत में अभूतपूर्व वृद्धि ने विमानन कंपनियों के संचालन खर्च को 30-40 प्रतिशत से बढ़ाकर 55-60 प्रतिशत कर दिया है, जिससे संचालन पूरी तरह अव्यवहारिक हो गया है।''

बुद्ध पूर्णिमा

शुक्रवार को महा बोधि सोसाइटी में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राहुल और निसांका के अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार फॉर्म में चल रहे केएल राहुल (75 रन) और पाथुम निसांका (62 रन) के अर्धशतकों से मिली शानदार शुरूआत के दम पर शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच गेंद रहते सात विकेट से शिकस्त दी।

दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (33 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए

57 गेंद में 110 रन की भागीदारी के बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली। फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुंचाकर जीत दिलाई।

दिल्ली कैपिटल्स का यह अपने आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ा सफल 'चेज' रहा।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने कप्तान रियान पराग (90 रन) के अर्धशतक और अंत में डोनोवन फरेरा (14 गेंद में नाबाद 47 रन) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत छह विकेट पर 225 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

लेकिन राहुल और निसांका के अर्धशतक पराग की शानदार पारी पर भारी पड़े।

निसांका ने पावर प्ले की अंतिम गेंद पर चौका लगाकर 23 गेंद में अपना अर्धशतक जड़ा। इस तरह टीम ने छह ओवर में बिना विकेट गंवाए 70 रन बना लिए थे।

राहुल ने नौवें ओवर में छक्का जड़कर टीम के 100 रन पूरे कराए। राहुल ने इस ओवर में रवि बिश्नोई पर दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम में खाते में 20 रन जोड़े।

लेकिन अगले ही ओवर में रविंद्र जडेजा ने निसांका को पगबाधा आउट कर राजस्थान रॉयल्स को पहली सफलता दिलाई।

राणा (तीन चौके, दो छक्के) क्रीज पर थे। राहुल ने 11वें की अंतिम गेंद पर दो रन लेकर 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

राणा ने तेजी से रन जुटाने की रणनीति अपनाते हुए अगले ओवर में जडेजा पर मिडविकेट और लांग ऑन पर छक्का जड़कर ओवर का अंत कवर पर चौके के साथ किया जिससे 18 रन बने।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ब्लेम बवंडर

पुख्ता सबूत के बिना सदा,
होते मसले सब सारहीन।
ज्यों कोई खड़ा तबेले में,
हो मगन बजाए मधुर बीन।
मिडिया आरोपों को परखे,
पहले ढूंढे सच्ची जमीन।
वर्ना प्रचार के तंत्र श्रेष्ठ,
हो जायेंगे सारे मलीन।।

युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के नये प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हूं : ट्रंप

वाशिंगटन/इस्लामाबाद/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के नवीनतम प्रस्ताव से ''संतुष्ट नहीं'' हैं।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''वे (ईरान) एक समझौता करना चाहते हैं, मैं उससे संतुष्ट नहीं हूं,

इसलिए देखते हैं कि आगे क्या होता है।'' हालांकि, ट्रंप ने प्रस्ताव की ''कमियों'' के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले सप्ताह अमेरिकी दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द होने के बाद भी बातचीत फोन पर जारी है। उन्होंने ईरानी नेतृत्व के प्रति निराशा व्यक्त की। ट्रंप ने कहा, ''वहां एक बेहद बिखरा हुआ नेतृत्व है। वे सभी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन उनमें आपस में ही मतभेद है।''

पंजाब-हरियाणा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता अटूट : नायब सिंह सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब और हरियाणा के बीच गहरे सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संबंधों पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि दोनों राज्यों की भौगोलिक सीमाएं भले ही अलग हों, लेकिन उनकी आत्मा, परंपराएं और जीवन शैली एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

पंजाब के नवांशहर जिले के पोजेवाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि दोनों राज्यों की साझा विरासत महान संतों की शिक्षाओं से निर्मित हुई है, जिनका प्रभाव सीमाओं और पीढ़ियों से परे है। संतों की सार्वभौमिकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक गुरु किसी एक क्षेत्र के नहीं होते, बल्कि वे संपूर्ण मानवता के होते हैं। उन्होंने कहा, संतों का जीवन 'वसुधैव कुटुम्बकम' के शाश्वत आदर्श का प्रतीक है, जो समाज को एकता, सद्भाव और सेवा के प्रति उसकी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। सैनी ने बताया कि सतगुरु ब्रह्मानंद महाराज भूरीवाले को हरियाणा में भी पंजाब जैसा ही सम्मान प्राप्त है और उनके लाखों अनुयायी आज भी उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ले रहे हैं।

शिक्षा, विशेषकर बालिका शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भूरीवाले की विरासत क्षेत्र में स्थापित संस्थानों के माध्यम से जीवित है, जिनमें लड़कियों की शिक्षा के लिए समर्पित चार कॉलेज और तीन स्कूल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसी भावना के अनुरूप हरियाणा सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा को 20 किलोमीटर के दायरे में उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जिससे लाखों युवतियां बिना किसी बाधा के शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सेना प्रशिक्षण कमान से अभियानगत तैयारियों को लगातार मजबूत बनाए रखने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सेना प्रशिक्षण कमान (एआरटीआरएसी) से भारतीय सेना की अभियानगत तत्परता को बढ़ाने के लिए उत्साहपूर्वक काम जारी रखने का आह्वान किया।

हिमाचल प्रदेश का अपना पांच दिवसीय दौरा समाप्त करने से पहले राष्ट्रपति ने यहां एआरटीआरएसी मुख्यालय का दौरा किया। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर ने एआरटीआरएसी के कर्मियों की उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना की और उनसे अधिक उत्साह एवं जोश के साथ काम जारी रखने का आग्रह किया। एआरटीआरएसी के 'जीओसी-इन-सी' लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने उन्हें एआरटीआरएसी के बारे में जानकारी दी। एआरटीआरएसी मुख्यालय में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने मुर्मू का स्वागत किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''एआरटीआरएसी की नवीन पहलों के बारे में विस्तार से बताते हुए लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने ड्रोन प्रशिक्षण प्रोत्साहन, विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को आत्मसात करने के लिए उठाए गए कदमों और भारतीय सेना में डिजिटलीकरण एवं स्वचालन की दिशा में की गई पहलों पर प्रकाश डाला।'' बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि एआरटीआरएसी की युद्ध अवधारणाओं को तैयार करने, भारतीय सेना के लिए संसाधन विकसित करने और मित्र विदेशी देशों तथा सहयोगी सेवाओं के साथ व्यापक जुड़ाव रखने में व्यापक भूमिका है।

राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का दौरा किया जो भारतीय सेना के प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास के प्रमुख संस्थानों में से एक है। राष्ट्रपति ने नवाचार को बढ़ावा देने और संस्थागत प्रशिक्षण को मजबूत करने में सेना प्रशिक्षण कमान की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की, जिससे भविष्य के लिए तैयार अधिकारियों का निर्माण होता है।''

निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा गुजरातः मुख्यमंत्री पटेल

सूरत/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को सूरत में 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए कहा कि राज्य निवेश के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। पटेल ने उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि पिछले दो दशकों में गुजरात ने बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी चुनौतियों को पार करते हुए संतुलित विकास का मॉडल स्थापित किया है। ज्योतिग्राम योजना से 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जबकि नर्मदा का पानी कच्छ जैसे शुष्क क्षेत्रों तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि गुजरात आज देश के कुल मालवहन का 40 प्रतिशत संभाल रहा है और उसकी लंबी समुद्री तटरेखा आर्थिक समृद्धि का द्वार बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन' ने राज्य को निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 24 वर्षों में गुजरात ने कुल 68.9 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है और देश के औद्योगिक उत्पादन में 18 प्रतिशत योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा, राज्य का कर राजस्व 2001 के 9,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि बिजली उत्पादन क्षमता 53,000 मेगावाट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि गुजरात देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वर्ष 2030 तक भारत को लाइव इवेंट्स का वैश्विक केंद्र बनाने की योजना : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार की योजना लक्ष्य संगीत समारोह अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय विकास के प्रमुख चालकों में से एक के रूप में स्थापित करना और वर्ष 2030 तक भारत को लाइव इवेंट्स का वैश्विक केंद्र बनाना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल (एलईडीसी) की बृहस्पतिवार को आयोजित चौथी बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार ने की। बैठक में नौ केंद्रीय मंत्रालयों, छह राज्यों और 12 उद्योग सदस्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक एलईडीसी का लक्ष्य संगीत समारोह अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय विकास के प्रमुख चालकों में से एक के रूप में स्थापित करना और 2030 तक भारत को लाइव इवेंट्स का वैश्विक केंद्र बनाना तथा इस क्षेत्र में 1.5-से दो करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित करना है। अनुमान है कि यह क्षेत्र वर्ष 2028 तक 10 प्रतिशत की दर से बढ़कर 196 अरब रुपए तक पहुंच जाएगा। भारत में संगठित लाइव इवेंट्स का क्षेत्र मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ने वाले हिस्से के रूप में उभरा है। बैठक के दौरान, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने भारत के लाइव इवेंट उद्योग के विकास के लिए एक समन्वित कार्ययोजना तैयार करने में एलईडीसी की भूमिका को रेखांकित किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर हरिद्वार में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई

हरिद्वार/भाषा। बुद्ध पूर्णिमा के पर्व पर शुक्रवार को हरिद्वार में लाखों लोगों ने गंगा नदी में डुबकी लगाई जबकि अखिल विश्व गायत्री परिवार (एडब्लूजीपी) के करोड़ों सदस्यों ने सामूहिक गायत्री यज्ञ संपन्न करके विश्वकल्याण की भावना को जागृत करने का आह्वान किया। एडब्लूजीपी के यहां स्थित मुख्यालय गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के मार्गदर्शन में दुनियाभर के लगभग पांच करोड़ गायत्री परिवार सदस्यों ने बुद्ध पूर्णिमा पर अपने-अपने घरों में सामूहिक रूप से गायत्री यज्ञ संपन्न किया।

आध्यात्मिक एकता, वैश्विक शांति और सदभावना के उददेश्य से किए गए इस आयोजन में शांतिकुंज की अधिष्ठात्री (प्रमुख) शैल दीदी ने देश-विदेश से जुड़े गायत्री परिवार के सदस्यों को बुद्ध पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व की याद दिलाई और यज्ञ के माध्यम से आत्मशुद्धि, सद्बुद्धि और विश्वकल्याण की भावना को जागृत करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि इसी दिन गौतम बुद्ध को आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसी कारण यह दिन आत्मचिंतन, साधना व करुणा के प्रसार का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार का यह प्रयास केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता में सद्भाव, नैतिकता और जागरूकता के संकल्प को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को साकार करने की दिशा में एक सशक्त आध्यात्मिक प्रयास के तहत शांतिकुंज पिछले कई वर्षों से बुद्ध पूर्णिमा पर इस सामूहिक यज्ञ का आयोजन करता रहा है। इस बीच, हर की पौड़ी समेत हरिद्वार के सभी प्रमुख घाटों पर बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'हर हर गंगे' के जयकारों के साथ डुबकी लगाई।

भाजपा ने आरक्षण के मुद्दे पर महिलाओं को गुमराह किया: पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी छत्तीसगढ़ में भाजपा की कथित नाकामियों और आरक्षण के मुद्दे पर महिलाओं को गुमराह करने की कोशिशों को बेनकाब करने के लिए बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी और जनसंपर्क अभियान चलाकर घर-घर जाएगी।

कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में पार्टी विधायकों और नवनियुक्त जिला व ब्लॉक इकाई अध्यक्षों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के छत्तीसगढ़ प्रभारी पायलट ने आरोप लगाया कि 'पाखंड और झूठ को बढ़ावा देने' के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया गया था। उन्होंने कहा, ''मैं यह कहता आ रहा हूं, और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी सदन में कहा था कि महिला आरक्षण विधेयक तीन साल पहले ही पारित चुका है। भाजपा ने बेवजह इसके क्रियान्वय को रोक रखा है। अब, आरक्षण की आड़ में, वे जनगणना से पहले परिसीमन कराना चाहते थे, जिसका पूरे विपक्ष ने विरोध किया।'' पायलट ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यदि इसे लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के आधार पर लागू किया जाता है, तो वह इसका पूरा समर्थन करेगी। भाजपा पर अपने निहित स्वार्थों को साधने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने राजनीतिक लाभ के लिए परिसीमन को आरक्षण से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन अब उसके इरादे उजागर हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, वे चाहे कितना भी प्रचार कर लें, सच तो यह है कि भाजपा ने तीन साल तक आरक्षण को लटकाए रखा और अब वह इसका इस्तेमाल परिसीमन की आड़ के तौर पर कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नाकामियों को उजागर करने और महिलाओं को गुमराह करने की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में घर-घर जाएगी।

भारत-यूएई व्यापार समझौते से द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर के पार : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मई 2022 में लागू मुक्त व्यापार समझौते (सीईपीए) के बाद द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि यूएई के साथ व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) अफ्रीका, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों, पश्चिम एशियाई देशों, स्वतंत्र देशों का राष्ट्रकुल (सीआईएस) देशों तथा कुछ यूरोपीय देशों के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार में मजबूत वृद्धि हुई है और यह 100 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। साथ ही सेवाओं का व्यापार भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे नए बाजार खुल रहे हैं और अधिक मूल्य सृजित हो रहा है। भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 101.25 अरब डॉलर हो गया, जो 2024-25 में 100.03 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में व्यापार का विस्तार हुआ है। इस बीच, भारत और ब्रिटेन ने भी द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने तथा व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत अवसरों का लाभ उठाने के उपायों पर चर्चा की।

लद्दाख में 2019 के बाद हुआ है तेज बदलाव : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2019 में पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर के विभाजन के बाद से लद्दाख तीव्र परिवर्तन का एक उदाहरण बन गया है, और उन्होंने इस केंद्र शासित प्रदेश में हुए व्यापक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के विकास एजेंडे के केंद्र में रहा है।

शाह ने कहा कि लद्दाख में विकास की कमी के कारण लंबे समय से केंद्रशासित प्रदेश के दर्जे की मांग की जा रही थी और अब इस फैसले से सभी क्षेत्रों में स्पष्ट बदलाव आया है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब 'लेह एपेक्स बॉडी' और 'कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए)' ने राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत बहाल करने की फिर मांग की है। शाह ने कहा, ''लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने की काफी समय से मांग थी। इस मांग का मूल कारण यह था कि यहां विकास नहीं हो रहा था। अब मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद क्या-क्या किया गया है।'' उन्होंने कहा कि लद्दाख में अब सात जिले और 193 पंचायतें हैं तथा पांच नए जिले - शाम, नुब्रा, चांगथांग, जांस्कर और द्रास - बनाए गए हैं एवं इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं।

शाह ने कहा कि स्थानीय भाषाओं को भी प्रशासनिक मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा, ''पहले केवल हिंदी और अंग्रेजी का ही उपयोग होता था, लेकिन अब भोटी, पुरगी और उर्दू को भी महत्व दिया गया है।'' बुनियादी ढांचे के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लद्दाख में सड़कों की लंबाई 2019 से पहले लगभग 1,799 किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 4,040 किलोमीटर हो गई है। उन्होंने कहा, ''सड़क निर्माण लगभग दोगुना हो गया है।''

केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाते हुए पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर व लद्दाख - में विभाजित कर दिया था। इसी अनुच्छेद के तहत पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था।

फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 'मिसिंग लिंक' परियोजना का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बहुप्रतीक्षित 13.3 किलोमीटर लंबी 'मिसिंग लिंक' परियोजना का शुक्रवार को उद्घाटन किया। यह परियोजना खड़ी चढ़ाई वाले पहाड़ी दर्रे के हिस्से से बाहर-बाहर गुजरती है और इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना तथा दोनों प्रमुख शहरों (मुंबई और पुणे) के बीच यात्रा के समय को कम करना है।

फडणवीस ने 'मिसिंग लिंक' परियोजना को इंजीनियरिंग का चमत्कार करार देते हुए कहा कि 7,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह ऐतिहासिक परियोजना महाराष्ट्र में निवेश, कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर 70,000 करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद करेगी।

'मिसिंग लिंक' परियोजना का उद्घाटन महाराष्ट्र स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया। इस मौके पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के खंडाला या भोर घाट (पहाड़ी दर्रा) खंड पर भारी यातायात जाम देखने को मिला। स्कूल की छुट्टियों और सप्ताहांत के मद्देनजर लोगों ने आयोजन के समय को लेकर सरकार से सवाल किए। इनमें से कई लोग सुबह से ही यातायात जाम में फंसे हुए थे। बाद में फडणवीस ने अपने संबोधन में लोगों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। मुख्यमंत्री ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के खालापुर (रायगढ़ जिला) छोर पर 'मिसिंग लिंक' का उद्घाटन किया और इसके बाद परियोजना के लोनावला की ओर जाने वाले मार्ग पर कार चलाई। इस दौरान कार में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। 'मिसिंग लिंक' परियोजना मुंबई की ओर खोपोली (रायगढ़ जिला) को पुणे जिले में लोनावला के पास स्थित कुसगांव से जोड़ती है। इससे एक्सप्रेसवे को पूरी तरह से नियंत्रित प्रवेश वाला बनाए जाने और घाट यानी पहाड़ी दर्रे वाले हिस्से में यातायात दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) द्वारा 6,700 करोड़ रुपए की लागत से विकसित इस परियोजना में दो सुरंगें, दो पुल और 'टाइगर वैली' पर एक केबल आधारित पुल शामिल है। यह दुर्घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील खड़ी चढ़ाई वाले खंडाला या भोर घाट हिस्से के बाहर-बाहर नया मार्ग उपलब्ध कराती है। इस घाट पर विशेष रूप से सप्ताहांत और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में अक्सर भारी यातायात जाम लगता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दुर्गम भूभाग में निर्मित इस परियोजना का पूरा होना सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, इसे 'मिसिंग लिंग' (अधूरी कड़ी) नहीं, बल्कि 'कनेक्टिंग लिंक' (जोड़ने वाली कड़ी) कहना चाहिए। कुछ भी अधूरा नहीं है। सब कुछ पूरा है।

तेलंगाना : हैदराबाद में सड़क पर खड़ी लॉरी से टकराई तेज रफ्तार कार, छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक तेज रफ्तार कार के सड़क पर खड़ी लॉरी से टकरा जाने के कारण छह लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना आज अपराह्न हुई जब तेज रफ्तार कार ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके कारण मौके पर ही छह लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राहुल गांधी ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि यह एक चुनावी विधेयक है और अगली मार पेट्रोल और डीजल पर पड़ेगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्होंने चेताया था कि चुनाव के बाद महंगाई की मार पड़ेगी। राहुल गांधी ने 'एक्स पर हिंदी में लिखे अपने पोस्ट में कहा, आज वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की कीमत में 993 रुपए की वृद्धि हुई है। एक दिन में हुई यह सबसे बड़ी वृद्धि है। यह चुनावी विधेयक है। उन्होंने कहा, फरवरी से अब तक 1,380 रुपए की बढ़ोतरी हुई है, यानी सिर्फ तीन महीनों में 81 फीसदी की वृद्धि। चाय की दुकानें, ढाबे, होटल, बेकरी, मिठाई की दुकानें... हर रसोई पर बोझ बढ़ गया है। और इसका असर निश्चित रूप से आपकी थाली पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पहली मार गैस पर पड़ी; अगली मार पेट्रोल और डीजल पर होगी। कांग्रेस ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी केवल चुनाव के दौरान आम लोगों की परेशानियों की परवाह करने का दिखावा करती है, जिसके बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पार्टी के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने कहा, जैसे ही चुनाव समाप्त हुए, नरेन्द्र मोदी सरकार ने बिना विलंब किए एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें बढ़ा दीं। उन्होंने कहा, वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमत में लगभग 1000 रुपए की भारी बढ़ोतरी से करोड़ों भारतीय प्रभावित होंगे, जो छोटे ढाबों और होटलों से मिलने वाले खाने पर निर्भर हैं। इसी तरह, लाखों छोटे खाद्य व्यवसायों को भी इस बढ़ोतरी का बोझ उठाना पड़ेगा। वेणुगोपाल ने कहा कि आम लोगों की पीड़ा के प्रति भाजपा का ध्यान सिर्फ चुनावी हथकंडों तक सीमित है, जिसके बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, ईरान युद्ध शुरू होने के बाद तीन महीनों के दौरान सरकार को आम लोगों पर वित्तीय बोझ डालने के बजाय उन्हें कीमतों में वृद्धि के झटके से बचाने के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए थी। राहुल गांधी ने मंगलवार को आगाह किया था कि 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की जाएगी।

पंजाब : मुख्यमंत्री मान की ओर से पेश विश्वास प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा शुक्रवार को राज्य विधानसभा में पेश विश्वास प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस दौरान आप विधायकों ने दोहराया कि वे चट्टान की तरह पार्टी के साथ खड़े रहेंगे।

मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार ने यह कदम अरविंद केजरीवाल नीत 'आप'के सात राज्यसभा सदस्यों के पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घटना के कुछ दिन बाद उठाया है। विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आप मजबूत है और उसका विस्तार हो रहा है। मान ने सदन में विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि 'आप' का सफाया हो जाएगा और उसके विधायक पाला बदल लेंगे, इससे लोगों के मन में भ्रम की स्थिति पैदा होती हैं। विपक्षी विधायकों की अनुपस्थिति में सरकार द्वारा पेश विश्वास प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पार्टी मजबूत है। जम्मू-कश्मीर से लेकर गोवा तक, पार्टी की मौजूदगी है। जम्मू-कश्मीर के डोडा में हमारा एक विधायक है। पंजाब में हमारी सरकार सफलतापूर्वक चल रही है। दिल्ली में हम विपक्ष में हैं। गुजरात में हमारे पांच और गोवा में दो विधायक हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा 'आप' के विभिन्न स्थानीय निकायों में महापौर, पार्षद, सरपंच हैं, पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति है।'' मान ने कहा, ''हमने कड़ी मेहनत से पार्टी का गठन किया है और हम चट्टान की तरह (पार्टी अध्यक्ष अरविंद)केजरीवाल के साथ खड़े हैं।'' सत्तारूढ़ दल ने इससे पहले सभी विधायकों को एक दिवसीय सत्र में उपस्थित होने के लिए 'व्हिप' जारी किया था। पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा में आप को भारी बहुमत प्राप्त है और उसके पास 94 विधायक हैं। सदन में कांग्रेस के 16, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का एक, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के तीन, भाजपा के दो विधायक हैं जबकि एक निर्दलीय विधायक है।

तमिलनाडु चुनाव : पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों का फल चार मई को मिलेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रयासों का फल चार मई को मिलेगा। तेइस अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती चार मई को होगी। स्टालिन ने यहां मई दिवस (अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस) कार्यक्रम में कहा, हम अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का फल आने वाले चौथे दिन (चार मई को मतगणना के दिन) प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसमें बिल्कुल कोई बदलाव नहीं है और न ही इसमें जरा सा भी विचलन हुआ है। उन्होंने कहा, किसी को भी यह मान लेने की जरूरत नहीं है कि मैं केवल एग्जिट पोल के आधार पर बोल रहा हूं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख स्टालिन ने कहा कि चुनाव परिणामों का बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर आएगी।

दक्षिणी रेलवे में ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06007/06008 तिरुचिरापल्ली-एसएमवीटी बेंगलूरु-तिरुचिरापल्ली एक्सप्रेस स्पेशल की चार विशेष सेवाएं चलाई जा रही है।

ट्रेन संख्या 06007 तिरुचिरापल्ली-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 5, 12, 19 और 26 मई मंगलवार को तिरुचिरापल्ली से सुबह 06:15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन दोपहर 13:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06008 एसएमवीटी बेंगलूरु-तिरुचिरापल्ली एक्सप्रेस स्पेशल 5, 12, 19 और 26 मई मंगलवार को एसएमवीटी बेंगलूरु से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22:30 बजे तिरुचिरापल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2 एसी चेयर कार कोच, 8 सिटिंग चेयर कार कोच, 6 जनरल सेकंड क्लास कोच, 1 सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन फ्रेंडली) और 1 लगेज कम ब्रेक वैन होंगे।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलेगा : वाइको

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको ने शुक्रवार को विश्वास व्यक्त किया कि तमिलनाडु विधानसभा के लिए हुए चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को जीत मिलेगी। तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए 23 अप्रैल को चुनाव हुआ था और नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे। वाइको ने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार बनाएगी। द्रमुक गठबंधन को बहुमत मिलेगा।''

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर वाइको ने कहा कि चार मई को परिणाम घोषित होने पर जमीनी हकीकत मौजूदा गठबंधन के पक्ष में होगी। वाइको ने कहा कि हालांकि अधिकतर एग्जिट पोल' में सत्ता में द्रमुक की वापसी की बात कही गई है, वहीं कुछ सर्वेक्षणों में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) या तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पक्ष में अनुकूल परिणाम बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतगणना के बाद नतीजे द्रमुक नीत गठबंधन के पक्ष में ही आएंगे। एमडीएमके प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रशासन पर औद्योगिक पूंजीपतियों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने और श्रमिकों के अधिकारों को कुचलने का आरोप लगाया। वाइको ने कहा कि उनकी पार्टी श्रमिकों के कल्याण के संघर्ष में अग्रणी बनी रहेगी।

स्टालिन ने जीत की संभावनाओं पर चर्चा के लिए द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेताओं से यहां पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की और हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में द्रमुक की जीत की संभावनाओं पर चर्चा की। यह बैठक विभिन्न 'एग्जिट पोल' की पृष्ठभूमि में हुई, जिनमें तमिलनाडु में द्रमुक की सत्ता बरकरार रहने का अनुमान जताया गया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 23 अप्रैल को हुआ था।

द्रमुक सूत्रों के अनुसार, स्टालिन ने के एन नेहरू, ईवी वेलू और केआर पेरियाकरुप्पन सहित वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि पार्टी के उपमहासचिव ए राजा, संगठन सचिव आरएस भारती और संचार इकाई के प्रमुख टीकेएस एलंगोवन भी बैठक में मौजूद थे।

सूत्रों के मुताबिक, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की मतगणना चार मई को होनी है, ऐसे में स्टालिन ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उनके क्षेत्र में पार्टी की जीत की संभावनाओं पर चर्चा की।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं को मतगणना एजेंट को उचित निर्देश देने के साथ-साथ मतगणना प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखने की सलाह दी।

एमके स्टालिन दूसरी बार इस तरह की बैठक कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में विधानसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं पर चर्चा की थी।

दक्षिणी रेलवे की टीआरडी संपत्तियों ने 2025-26 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे ने 2025-26 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उसके ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन (टीआरडी) परिसंपत्तियों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है, जो पूरे जोन में विश्वसनीयता और रखरखाव मानकों में तीव्र सुधार को दर्शाता है। टीआरडी परिसंपत्ति प्रबंधन में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, दक्षिणी रेलवे में केवल 3 परिसंपत्ति विफलताएँ दर्ज की गईं, जो 2024-25 में हुई 13 विफलताओं की तुलना में उल्लेखनीय कमी है और 77 प्रतिशत का प्रभावशाली सुधार दर्शाती है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण दक्षिणी रेलवे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में शुमार है।

यह उपलब्धि निरंतर निगरानी और सक्रिय नेतृत्व द्वारा संचालित रखरखाव संस्कृति में आए एक प्रतिमान परिवर्तन का परिणाम है। महाप्रबंधक आरएन सिंह और प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता गणेश के निरंतर मार्गदर्शन, मुख्यालय के अधिकारियों और मंडल रेलवे प्रबंधकों के समर्पित सहयोग ने इस दुर्लभ उपलब्धि को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समय-समय पर आरडीएसओ द्वारा जारी विशेष रखरखाव निर्देशों का नियमित अनुपालन, साथ ही उनका कड़ाई से पालन करना भी इस उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। संशोधन पत्रक और अनुसूचियों ने टीआरडी की सभी संपत्तियों के सावधानीपूर्वक रखरखाव को सुनिश्चित किया। इस सुनियोजित और अनुशासित दृष्टिकोण के कारण दक्षिणी रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 को लगभग शून्य लंबित संपत्ति रखरखाव के साथ समाप्त किया।

टीआरडी के बेहतर प्रदर्शन से यात्रियों को स्पष्ट और ठोस लाभ प्राप्त हुए हैं। इससे ट्रैक्शन संबंधी व्यवधानों को कम करते हुए बेहतर समयबद्धता मिलती है। विद्युतीकृत मार्गों पर निर्बाध ट्रेन संचालन होता है। ट्रेनों के विलंब और रुकावटों में कमी, जिससे यात्राएं सुगम होंगी। विशेष रूप से उच्च घनत्व वाले क्षेत्रों में बेहतर सुरक्षा और विश्वसनीयता से काम होता है।

टीआरडी एसेट क्या है?

पटरियों के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ, टीआरडी की संपत्तियां अब रेलवे नेटवर्क के लगभग हर इंच तक फैली हुई हैं। इन संपत्तियों में किसी भी खराबी से किसी खंड में ट्रेनों का संचालन रुक सकता है और समयबद्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, खराबी में हुई महत्वपूर्ण कमी का सीधा और सार्थक प्रभाव न केवल समयबद्धता में सुधार पर पड़ता है, बल्कि विद्युतीकृत खंडों में ट्रेन संचालन की समग्र सुरक्षा को बढ़ाने में भी पड़ता है। अत्यधिक विश्वसनीय टीआरडी सिस्टम सिग्नलिंग बुनियादी ढांचे के सुचारू संचालन में भी योगदान देते हैं, क्योंकि ट्रैक्शन पावर सप्लाई कई महत्वपूर्ण सिग्नलिंग उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करती है। इसलिए, बेहतर टीआरडी प्रदर्शन सुरक्षित और कुशल ट्रेन संचालन की नींव को मजबूत करता है।

वार्षिक चित्रा पूर्णिमा के अवसर ऐतिहासिक मंगला देवी मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की। केरल-तमिलनाडु सीमा पर स्थित पेरियार बाघ अभयारण्य के भीतर ऐतिहासिक मंगला देवी मंदिर में शुक्रवार को वार्षिक चित्रा पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

अधिकारियों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि यह प्राचीन मंदिर 1,000 वर्ष से अधिक पुराना है और यह प्रत्येक वर्ष चित्रा माह की पूर्णिमा के दिन ही श्रद्धालुओं के लिए खुलता है। इस अवसर पर दोनों राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु आए।

इडुक्की जिला प्रशासन ने बताया कि यह उत्सव केरल और तमिलनाडु, दोनों राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस मंदिर में दोनों राज्यों की मंदिर परंपराओं के अनुरूप विशेष अनुष्ठान किए गए। अधिकारियों ने बताया, मंदिर के द्वार सुबह करीब साढ़े पांच बजे खोले गए और उसके बाद धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए।

मंगला देवी की प्रतिमा वाले गर्भगृह और गणपति एवं शिव-पार्वती को समर्पित निकटवर्ती मंदिरों में केरल की परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान किए गए, जबकि पास के दूसरे गर्भगृह में तमिलनाडु की परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न हुए।

इडुक्की और थेनी जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से महोत्सव के आयोजनों का समन्वय किया। अधिकारियों ने बताया, श्रद्धालुओं के लिए पीने का पानी, भोजन, शौचालय और मलयालम और तमिल में दिशासूचक बोर्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत विभिन्न स्थानों पर चिकित्सा दल, एम्बुलेंस, आपदा राहत कर्मी और अग्निशमन बल तैनात किए गए थे। इडुक्की के जिलाधिकारी डॉ दिनेश चेरुवत्त, जिला पुलिस प्रमुख साबू मैथ्यू के एम, उपजिलाधिकारी अनूप गर्ग और अन्य अधिकारियों ने मंदिर का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हैं : राज्यपाल अर्लेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने शुक्रवार को कहा कि लोक भवनों में राज्य स्थापना दिवस का उत्सव विभिन्न राज्यों के लोगों को संवाद करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और अनुभवों को साझा करने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करेगा, जिससे आपसी सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। अर्लेकर ने चेन्नई के लोक भवन (पूर्व में राज निवास) में आयोजित गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि राज्यपाल के आधिकारिक निवास में राज्य स्थापना दिवस का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है।

राज्यपाल ने टिप्पणी की कि इतिहास ने लगातार यह साबित किया है कि भारत एकजुट होने पर प्रगति करता है और विभाजित होने पर चुनौतियों का सामना करता है।

मंदिर में लाए गए हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत, महावत घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल में अंगमाली के किडांगूर स्थित एक मंदिर में शुक्रवार को लाया गया एक हाथी हिंसक हो गया और कुछ लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना का वीडियो कुछ टीवी चैनल पर दिखाया गया। वीडियो में हाथी को मंदिर के पास खड़ी गाड़ियों पर हमला करते देखा जा सकता है।

पुलिस के अनुसार, हाथी ने एक कार को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और कुछ दोपहिया वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। इस दौरान वन विभाग के एक दस्ते ने हाथी को पकड़ने की कोशिश की। अंगमाली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इस हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि हाथी का मुख्य महावत गंभीर रूप से घायल हो गया। हाथी के हिंसक होने के दो घंटे से अधिक समय बाद, दोपहर में एक पशु चिकित्सक ने उसे बेहोश कर दिया। बेहोशी का इंजेक्शन लगाए जाने के बाद वह कुछ समय के लिए और हिंसक हो गया तथा मंदिर परिसर में एक और वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। टीवी चैनल पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार, बाद में हाथी धीरे-धीरे शांत हो गया, जिससे वन विभाग की टीम को उसे नियंत्रित करने में मदद मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथी को विगत में त्रिशूर पूरम उत्सव में भी लाया गया था और उस वक्त वह शांत था।

भाजपा महिला शक्ति का सम्मान करती है : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। विधायक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने लोगों से अपील की है कि वे कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस द्वारा महिलाओं के साथ किए गए अन्याय के बारे में सच्चाई बताएं। उन्होंने आज हुब्बल्ली में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित 'बृहद जनाक्रोश महिला प्रतिभा सभा' में बात की। उन्होंने विश्लेषण किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी देश के विकास में महिला शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं।

उन्होंने मोदीजी के संकल्प का समर्थन करने के लिए आई महिलाओं और आसपास के जिलों के लोगों को बधाई दी। भाजपा हमेशा माताओं के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने आने वाले दिनों में भी इस संघर्ष को जारी रखने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा ने भी भाग्यलक्ष्मी योजना लागू की थी। वह साइकिल योजना लाए थे। उन्होंने बताया कि भाजपा महिला शक्ति का सम्मान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सभी से बीएस येडीयुरप्पा के आगामी 9 मई को चित्रदुर्गा में होने वाले अभिमानोत्सव में भाग लेने की बात कही।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई, विपक्ष के उप नेता अरविंद बेलाड, विधायक महेश टेंगिनाकाई, विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी, राज्य उपाध्यक्ष मालविका अविनाश, रूपाली नायक, महिला मोर्चा की राज्य अध्यक्ष सी. मंजुला, पार्टी के विधायक, जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए।

नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने की आत्महत्या, पिता ने साजिश का संदेह जताया

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु स्थित एक निजी नर्सिंग कॉलेज के छात्रावास में केरल के 19 वर्षीय एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बोम्मासंद्रा स्थित नर्सिंग कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्यन पी ए के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 29 अप्रैल को आदित्यन छात्रावास के अपने कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला।

पुलिस ने बताया कि आदित्यन के शव के पास सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में संकेत मिला है कि वह संभवत: अवसादग्रस्त था। उन्होंने कहा अन्य कारण भी हो सकते हैं जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आदित्यन के पिता प्रदीप एस ने अपनी शिकायत में दावा किया कि बेंगलूरु पहुंचने पर कॉलेज के प्रतिनिधि ने उन्हें सूचित किया कि उनके बेटे की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और यह कॉलेज छात्रावास में आत्महत्या का मामला है। उन्होंने दावा किया, हालांकि, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे बेटे ने ऐसा कदम नहीं उठाया होगा। वह अच्छे चरित्र का और मानसिक रूप से मजबूत था। इसलिए, मुझे उसकी मौत में किसी गहरी साजिश का संदेह है।

रंगम के पास टीवीके के चुनाव प्रचार कार्यालय में अज्ञात लोगों ने आग लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु में श्रीरंगम के पास कमनायक्कनपलयम गांव में शुक्रवार तड़के अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी टीवीके के प्रचार कार्यालय को अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कार्यालय को मामूली रूप से नुकसान पहुंचा है। उसने बताया कि आग ने इमारत के प्रवेश द्वार पर लगी फूस की छत को अपनी चपेट में ले लिया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के नतीजे चार मई को घोषित होंगे। सोशल मीडिया पर वायरल सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात व्यक्तियों को मोटरसाइकिल पर भागते देखा जा सकता है, हालांकि पुलिस ने कहा है कि वीडियो फुटेज का अभी तक सत्यापन नहीं हो सका है। टीवीके द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पेट्टैवैथलाई पुलिस ने मामला दर्ज कर दोषियों की तलाश शुरू कर दी है।

खरगे ने कर्नाटक में नेतृत्व संबंधी अटकलों पर विराम लगा दिया है : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर 'पूर्ण विराम' लगा दिया है। उन्होंने कहा कि खरगे का बयान बहुत महत्वपूर्ण है और फिलहाल यह मामला यहीं समाप्त होता है। परमेश्वर ने कहा कि पार्टी में सभी को इस फैसले का सम्मान करना चाहिए और इसे स्वीकार करना चाहिए। खरगे ने बयान में कहा था कि कर्नाटक में 'फिलहाल' मुख्यमंत्री नहीं बदला जाएगा और राज्य में नेतृत्व का मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा। इसके बाद परमेश्वर ने यह टिप्पणी की। खरगे का बयान पार्टी और राजनीतिक हलकों में चल रही अटकलों के बीच आया कि चार मई के बाद नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल पर कोई फैसला लिया जा सकता है।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, समाज को जोड़ने का जरिया : धर्मेन्द्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक जैसी घटनाओं से युवाओं के साथ अन्याय हुआ। हमारी सरकार ने प्रदेश के युवाओं को पेपरलीक के दंश से मुक्ति दिलाई है। हमनें अब तक 351 परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित करवाई है तथा एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के साथ-साथ कौशल से जोड़कर कुशल बना रही है और युवा अब नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के लिए एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वामी विवेकानंदजी का उल्लेख करते हुए युवाओं से विदेशी भाषा सीखने और देश-दुनिया में छा जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कौशल विकास के विजन को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने इंग्लिश एंव फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद और नेशनल स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरशन के साथ एमओयू किए हैं। इसके माध्यम से हमारे युवाओं को फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, जापानी और कोरियन सीखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आज के युग में विदेशी भाषा सीखना आवश्यकता बन चुका है। विदेशी भाषा का ज्ञान युवाओं को बहुराष्ट्रीय कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विदेशों में रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करता है। इसी तरह यह विदेशी पर्यटकों, उद्यमियों और प्रदेश के स्थानीय उद्योगों के बीच एक सेतु का कार्य भी करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमुख पयर्टन स्थलों की वजह से राजस्थान के लिए विदेशी भाषा का विशेष महत्व है। दुनिया भर से यहां सैलानी आते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश के कई अंचलों में पर्यटन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। विदेशी भाषाएं जानने वाले गाइड, होटल मैनेजर, ट्रैवल एजेंट और व्यापारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में नये महाविद्यालयों के निर्माण और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया है। इसके लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालय खोलने के साथ ही, 185 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण किया गया है। जबकि गत सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 57 महाविद्यालयों के भवन बनाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा को रोजगार से जोड़ा और अब डिग्री से युवाओं के जीवन को नई दिशा मिल रही है। राज्य सरकार ने गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए राज्य कौशल नीति और युवा नीति बनाई गई है। युवाओं को सवा लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी हैं। साथ ही, 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है एवं सवा लाख पदों का भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में भी अब तक 3 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के युवाओं में मेहनत, नवाचार, उद्यमिता के साथ-साथ भाषाओं और संस्कृतियों को आत्मसात करने की नैसर्गिक प्रतिभा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज देश का युवा डिग्री और सर्टिफिकेट से आगे बढ़कर अपने कौशल एवं सामर्थ्य संवर्धन के प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से युवाओं को विदेशी भाषा से संबंधित रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने और समझने का माध्यम है। विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें शिक्षा को बहुभाषी और अंतरराष्ट्रीय बनाने पर जोर दिया गया है। फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियन और स्पेनिश जैसी भाषाएं सीखने से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राजस्थान की लोककथाएं जैसे पृथ्वीराज चौहान की गाथा विदेशी भाषा में अनुवादित होगी और दुनिया तक पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि जापान और कोरिया जैसे देशों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। हमारे युवा इन देशों की भाषाएं सीखते हैं, तो वे न केवल सॉफ्टवेयर बल्कि हार्ड ट्रेड और मार्केटिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी अवसर पा सकते हैं। केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को प्राथमिक शिक्षा का आधार बनाया गया है। स्थानीय भाषा हमारे गौरवशाली अतीत संजोए रखने के साथ-साथ हमे विश्वास देती है, हमारी जड़ों से हमारा भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि विदेशी भाषा संचार कौशल के लिए हुए एमओयू भारतीय छात्रों के लिए दुनिया भर में संभावनाओं के द्वार खोलने का काम करेंगे। जिससे हमारे युवाओं के कौशल एवं हुनर को वैश्विक मंच मिलेगा। चौधरी ने कहा कि पीएम सेतु में राजस्थान में बेहतरीन काम हुआ है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि यह एमओयू केवल कागजी समझौता नहीं बल्कि हमारे युवाओं को अवसरों से जोड़ने का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम है। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता राज्यमंत्री के.के विश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं की प्रतिभा को निखारा जा रहा है।

राजस्थान में जनगणना गतिविधियों का पहला चरण शुरू, 'स्व-गणना' का विकल्प खुला

जयपुर। देश में जनगणना अभियान के तहत राजस्थान में 'स्व-गणना' का विकल्प शुक्रवार से खुल गया जिसके तहत लोग खुद अपने मकान आदि की जानकारी ऑनलाइन भर सकेंगे। राजस्थान में जनगणना 2027 की प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत शुक्रवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा लोकभवन में स्व-गणना के माध्यम से की गई। इसके साथ ही राज्य भर में जनगणना गतिविधियों का पहला चरण शुरू हो गया है।

लोकभवन के प्रवक्ता के अनुसार बागडे ने आम लोगों से जनगणना के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्व-गणना के माध्यम से सटीक और पूर्ण जानकारी प्रदान करने की अपील की है। राज्यपाल ने कहा कि 'जनगणना-2027' के पवित्र कार्य में आम लोगों का सहयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में उनकी भागीदारी है।

जनगणना निदेशक विष्णु चरण मलिक ने बताया कि घर-घर जनगणना सर्वेक्षण से पहले, नागरिक एक मई से 15 मई, 2026 तक वेब पोर्टल पर स्व-गणना सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इस अवधि के दौरान, व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर और आवश्यक विवरण का उपयोग करके पोर्टल पर अपने और अपने परिवार के बारे में जानकारी डिजिटल रूप से जमा कर सकते हैं। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी शुक्रवार को 'जनगणना 2027' के तहत एक मई से शुरू हुई स्व-गणना में स्वयं भाग लेकर नागरिकों को प्रेरित किया। उन्होंने आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना विवरण भरते हुए आवश्यक जानकारी दर्ज कर फॉर्म 'सबमिट' किया।

एग्जिट पोल पर कोई विश्वास नहीं करताः अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि मतदान पश्चात सर्वेक्षण (एग्जिट पोल) पर कोई विश्वास नहीं करता और इनमें कोई दम नहीं है। गहलोत ने यह टिप्पणी चार राज्यों -पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम तथा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा के लिए हुए मतदान को लेकर आए एग्जिट पोल के संदर्भ में की। इन चुनाव के नतीजे चार मई को आने हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री से जब एग्जिट पोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, एग्जिट पोल पर कोई विश्वास नहीं करता है। कभी सच भी होते हैं, कभी असत्य हो जाते हैं। इनमें कोई दम नहीं है। अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर गहलोत ने कहा, आज मजदूरों का दिवस है...एक समय कहा गया था कि दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ। उसके बावजूद भी आज हालात बहुत गंभीर हैं। न्यूनतम मजदूरी भी मजदूरों को नहीं मिल पा रही है। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

उन्होंने कहा, नोएडा में देखा होगा कि कितना बड़ा तमाशा हो गया। किस प्रकार से लोग सड़कों पर आ गए। सरकार के लिए चुनौती है कि वो किस प्रकार से मजदूरों का ख्याल रखे। गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान की स्थिति और खराब है और उन्होंने कल ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य के लाखों श्रमिकों की आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अपने पत्र में गहलोत ने राज्य में न्यूनतम मजदूरी की दरों को देश के अन्य प्रगतिशील राज्यों की तुलना में बेहद कम बताते हुए इसमें तत्काल सुधार के लिए सुझाव दिए हैं।

राजस्थान में कई जगहों पर बारिश, अधिकतम तापमान में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जगहों पर पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश हुई और अधिकतम तापमान में आंशिक गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिन लोगों को भीषण गर्मी से राहत रहेगी।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बारिश या बूंदाबांदी दर्ज की गयी। इस दौरान छबड़ा (बारां) में सर्वाधिक 18.0 मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार आंधी चलने, बूंदाबांदी व बारिश से राज्य में अधिकतम तापमान में आंशिक गिरावट आई है।

मौसम केंद्र के अनुसार एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने तथा बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं के प्रभाव से राज्य में आगामी 2-3 दिन आंधी चलने का अनुमान है और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आंधी व बारिश के प्रभाव से आगामी 4-5 दिन अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास दर्ज होने व भीषण गर्मी से राहत मिलने की पूरी संभावना है।

देवनानी ने नारद जयंती पर दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने देवर्षि नारद जयंती के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। डॉ. देवनानी ने अपने संदेश में कहा कि देवर्षि नारद भारतीय संस्कृति में संवाद, ज्ञान और लोकमंगल के प्रतीक माने जाते हैं। वे प्रथम पत्रकार के रूप में भी पूजनीय हैं, जिन्होंने सदैव सत्य, निष्पक्षता और जनहित को प्राथमिकता दी। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि संवाद का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल और सूचना युग में नारद जी के आदर्श और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। समाज में स्वस्थ संवाद, पारदर्शिता और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए हमें उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी से आह्वान किया कि वे सत्य, नैतिकता और लोककल्याण के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं तथा समाज को सशक्त और समरस बनाने में योगदान दें।

जनगणना राष्ट्र निर्माण की आधारशिला : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को राजस्थान में प्रारंभ हुई जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना कर आमजन को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए नागरिकों से अपील की कि वे भी जनगणना को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण दायित्व समझते हुए इसमें पूर्ण सहयोग करें। स्पीकर डॉ. देवनानी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह देश और प्रदेश की योजनाओं, नीतियों और विकास की दिशा तय करने का आधार है। सटीक और पूर्ण जानकारी के आधार पर ही सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत ढांचे और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कर सकती है।

स्पीकर डॉ. देवनानी ने कहा कि जनगणना-2027 का प्रथम चरण प्रारंभ हो चुका है, जिसमें घर-घर जाकर जनसांख्यिकीय जानकारी एकत्रित की जा रही है। यह प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है, जिससे प्रत्येक नागरिक की जानकारी सुरक्षित और सटीक रूप से दर्ज हो सके।

स्पीकर डॉ. देवनानी ने कहा कि जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे ही राज्य और देश की वास्तविक स्थिति का आंकलन संभव हो पाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कर्मियों को सही और पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि विकास योजनाएं अधिक प्रभावी और जनहितकारी बन सकें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इसमें सहयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजस्थान की जनता इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेगी और इसे सफल बनाएगी। इस अवसर पर आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव व जनगणना के लिए राज्य नोडल अधिकारी रवि कुमार सुरपुर, जनगणना निदेशक विष्णु चरण मलिक, जयपुर नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक विनेश सिंघवी, संयुक्त निदेशक डॉ. सुदेश कुमार और अविनाश शर्मा मौजूद थे।

मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त पाया गया पुलिसकर्मी सेवा से बर्खास्त

जयपुर। राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल को मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त पाए जाने के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रतापगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त पाए गए पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल को थाना पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही में पुलिस ने 244 ग्राम अवैध स्मैक के परिवहन के आरोप में प्रतापगढ़ जिले में पदस्थापित कांस्टेबल विनोद सिंह को गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया गया।

गुजरात और महाराष्ट्र के स्थानीय लोगों से राज्यपाल ने किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकभवन में शुक्रवार को महाराष्ट्र और गुजरात राज्य का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान दोनों राज्यों के लोगों से संवाद कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात के भाषायी आधार पर अलग राज्य बनने के बाद से ही दोनों ने राष्ट्रीय प्रगति में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्यपाल बागड़े ने महाराष्ट्र और गुजरात को स्वाधीनता आंदोलन की उर्वर भूमि बताते हुए सरदार पटेल, महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक आदि का भी स्मरण किया।

राज्यपाल ने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ गुजरात ने देशभर में अपनी उत्सवधर्मी सांस्कृतिक, सामाजिक परम्पराओं से भी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने महाराष्ट्र को अध्यात्म, दर्शन और संत परम्पराओं की धरती बताते हुए कहा कि संत तुकाराम, स्वामी समर्थ रामदास जी जैसे संतों की इस धरती पर ही छत्रपति शिवाजी, सावरकर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जैसे व्यक्तित्वो ने समाज में सकारात्मक बदलाव की पहल की।

बागड़े ने कहा कि लोकभवन में एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंर्तगत राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी अनूठी संस्कृति को हम अनुभूत कर सकें। उन्होंने अतीत की परम्पराओं को सहेजते हुए दोनों ही प्रदेशों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

पति ने पत्नी को गोली मारकर आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक व्यक्ति ने कहासुनी के बाद अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए जयपुर ले जाया गया है।

पुलिस के अनुसार घटना रूपवास थाना क्षेत्र के सिंघावली गांव में हुई, जहां महिला राधिका (28) के मायके में एक लड़की के लग्न का कार्यक्रम था। पुलिस ने बताया कि इस दौरान उसकी अपने पति राघवेंद्र (31) से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

पुलिस के अनुसार राघवेंद्र राधिका को कमरे में लेकर गया और दरवाजा बंद करके देसी कट्टे से उसकी छाती में गोली मार दी। पुलिस ने कहा कि बाद में उसने अपनी छाती पर भी गोली चला दी, जिसके बाद परिजन ने दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला लेकिन तब तक राघवेंद्र की मौत हो चुकी थी।

थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि गंभीर रूप से घायल राधिका को स्थानीय अस्पताल से जयपुर भेज दिया गया और उसके पिता की ओर से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। मीणा ने बताया कि राघवेंद्र उत्तर प्रदेश के आगरा के बरूअर का रहने वाला था जबकि राधिका का मायका सिंघावली गांव में है।

इलेक्ट्रोपैथी को आम जन तक पहुँचाएं : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने कहा है कि इलेक्ट्रोपैथी, प्रकृति से जुडी चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने कहा कि इस चिकित्सा पद्धति को प्रभावशाली बनाने के लिए शिक्षण की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। साथ ही नियमित अनुसंधान करें और उनका मानकीकरण कराएं। डॉ. देवनानी ने कहा कि इससे इस चिकित्सा पद्धति की गुणवत्ता, सुरक्षा, दक्षता और निरंतरता बढेगी। डॉ. देवनानी ने इस चिकित्सा पद्धति को राज्य में शुरु करने के लिए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि इस प्रशासनिक निर्णय से भारतीय चिकित्सा में नये आयाम जुडेंगे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. देवनानी शुक्रवार को यहां गांधी नगर स्थित एम-8 में राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति बोर्ड के बनाए गए कार्यालय और प्रशासनिक परिसर का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. देवनानी ने कार्यालय के वीडियो कॉफ्रेंसिंग सिस्टम का भी बटन दबाकर शुभारम्भ किया। डॉ. देवनानी ने इस मौके पर बोर्ड के इलेक्ट्रोपैथी न्यूज लेटर के तृतीय संस्करण और आरोग्य मेला पुस्तिका का लोकार्पण भी किया। डॉ. देवनानी ने इस मौके पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया।

डॉ. देवनानी ने कहा कि एलोपैथी, आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक, इलेक्ट्रोपैथी आदि चिकित्सा पद्धतियां भारतीय ऋषियों के हजारों वर्ष पहले के ज्ञान और शोध पर आधारित है। उन्होंने कहा कि गणेशजी की सूंड भारत में बहुत पहले से ही शल्य चिकित्सा मौजूद होने का प्रमाण है। डॉ. देवनानी ने कहा कि चिकित्सा की प्रत्येक पद्धति में भारत विश्व गुरू है। विश्व का मार्ग दर्शक है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति के पहलुओं की जानकारी नई पीढी को बताएं। वैकल्पिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों का प्रकृति के साथ सामंजस्य है।

मोदी ने ईडी को वित्तीय अपराधों के कैंसर को खत्म करने का अधिकार दिया : पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को धन शोधन, कॉरपोरेट धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के 'कैंसर' का इलाज करने के लिए 'मजबूत' बनाया और अधिक शक्तियां दीं, न कि किसी संस्था को निशाना बनाने के लिए जैसा कि देश के एक विशेष 'तंत्र' द्वारा आरोप लगाए गए हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री चौधरी ने केंद्रीय एजेंसी को 'वित्तीय अपराधों के खिलाफ राष्ट्र की ढाल' बताते हुए कहा कि यह न केवल पिछली सरकारों के भरोसे पर खरी उतरी है, बल्कि 'नए मानक' भी स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि ईडी का नाम न केवल भारत में बल्कि एफएटीएफ सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर भी 'सम्मानित' है, जिसने इसकी जांच क्षमताओं की प्रशंसा की है।

मंत्री ने यहां आयोजित 70वें 'ईडी दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं। एजेंसी की स्थापना 1956 में इसी

दिन हुई थी। कई विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि ईडी 'भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का एक उपकरण' है और इसका इस्तेमाल उन्हें 'निशाना बनाने' के लिए किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में ईडी सबसे ज्यादा सुर्खियों में रही है। शुरुआती वर्षों में ईडी ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (अब निरस्त) और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम लागू किया था। तब से इसकी क्षमताओं और कार्यकुशलता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।''चौधरी ने हिंदी में दिए भाषण में कहा, ''भारत सरकार ने ईडी पर भरोसा किया, इसलिए इसे धन शोधन निवारण अधिनियम (2005 में) लागू करने का कार्य सौंपा गया।'' उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसा 'तंत्र' मौजूद है जो हर समाधान में 'समस्या' ढूंढ़ लेता है। उन्होंने कहा, ''आप कुछ भी करें, ऐसे लोग परेशान होने लगते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2014 में देश की बागडोर संभाली और राष्ट्रीय हित में कड़े फैसले लेने शुरू किए; तब से इस तंत्र की नींव हिल गई है।'' उन्होंने कहा कि 'ऐसे लोग' लगातार 'रोते' रहते हैं कि मोदी ने ईडी को 'बहुत अधिक' शक्तियां दे दी हैं, लेकिन यह 'आधा सच' है। चौधरी ने पूछा, ''सच तो यह है कि ईडी को ये शक्तियां वित्तीय अपराधों को कुचलने के लिए दी गई थीं, न कि किसी को निशाना बनाने के लिए। सवाल यह है कि ये शक्तियां क्यों आवश्यक थीं?''

बेहतर कनेक्टविटी और बुनियादी ढांचे ने पर्यटन एवं कृषि को बढ़ावा दिया : पेमा खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को राज्य को जलविद्युत उत्पादन में 'भारत का पावरहाउस' बताते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास ने पर्यटन, कृषि और बागवानी क्षेत्रों को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने नई दिल्ली में अशोका विश्वविद्यालय के 'इसाक सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी' द्वारा आयोजित 'आईसीपीपी ग्रोथ कॉन्फ्रेंस 2026' में नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में वर्तमान में लगभग 19,000 मेगावाट की संचयी क्षमता वाली जलविद्युत परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक लक्ष्य के तहत 2047 तक 40,000 मेगावाट बिजली उत्पादन हासिल करना है, जो विकसित भारत की परिकल्पना में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन, कृषि और बागवानी क्षेत्रों में तीव्र वृद्धि की भी चर्चा की और इस प्रगति का श्रेय बेहतर कनेक्टिविटी एवं बुनियादी ढांचे को दिया। उन्होंने कहा कि दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच समेत सड़क नेटवर्क के विस्तार ने राज्य में आर्थिक विकास एवं पर्यटन के नए रास्ते खोल दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, खांडू ने अरुणाचल प्रदेश को देश के सबसे खूबसूरत और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में से एक बताया, जो पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ इस क्षेत्र का सबसे पूर्वी और सबसे उत्तरी राज्य भी है।

जनगणना : झारखंड में स्व-गणना शुरू, राज्यपाल ने लोगों से भाग लेने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में शुक्रवार को जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत स्व-गणना शुरू हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत लोग अपने परिवार का विवरण डिजिटल रूप से दे सकेंगे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों से इस प्रक्रिया में भाग लेने और सटीक जानकारी देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं राज्य के लोगों से एक मई से शुरू हुई जनगणना की स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करता हूं और राज्य में जनगणना 2027 की सफलता की कामना करता हूं। गंगवार ने कहा कि विकास नीतियों को तैयार करने में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा, जनगणना से वास्तविक जनसंख्या, घरों, परिवार के सदस्यों की संख्या और प्रकार, साथ ही उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी मिलती है। यह डेटा सरकार को लोगों के विकास और कल्याण के लिए नीति बनाने में मदद करता है। सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना की उपस्थिति में अपने आवास पर स्व-गणना का कार्य पूरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जनगणना-2027 के पहले चरण के तहत मैंने स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह केवल आंकड़े एकत्र करने का कार्य नहीं बल्कि यह हमारे झारखंड के साथ-साथ पूरे देश के भविष्य को सही दिशा में ले जाने का आधार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं में निपुण कर्मचारियों को शामिल करके इस प्रक्रिया को हर नागरिक तक सुचारू रूप से पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा, मैं राज्य के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय और सार्थक रूप से भाग लेने की अपील करता हूं। राज्य जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक प्रभात कुमार ने बताया कि स्व-गणना प्रक्रिया 15 मई तक जारी रहेगी।

कोलकाता में चुनाव ड्यूटी के कारण बसों की किल्लत, यात्री परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में दैनिक यात्रियों को शुक्रवार को भी बसों की कमी के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि बड़ी संख्या में वाहन अब भी चुनाव कार्य में लगे हुए हैं और चार मई को मतगणना से पहले उनके लौटने की संभावना नहीं है।

स्थिति को स्वीकार करते हुए, 'जॉइंट काउंसिल ऑफ बस सिंडिकेट' के सचिव तपन बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी कार्यों के लिए लगभग 3,600 निजी बसों ली गई थीं जिनमें से 90 प्रतिशत से अधिक अभी तक कार्य पर नहीं लौटी हैं। बनर्जी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि चुनाव के बाद भी ज्यादातर बसें नहीं छोड़ी गईं क्योंकि उन्हें सुरक्षाकर्मियों एवं अधिकारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने समेत चुनाव बाद ड्यूटी में लगा दिया है तथा संभवत: चाई मई की मतगणना तक वे उपलब्ध नहीं होंगी। इस कमी के कारण उपलब्ध परिवहन साधनों, विशेष रूप से मेट्रो रेलवे की ब्लू लाइन और ग्रीन लाइनों में भीड़भाड़ बढ़ गई है। बनर्जी ने कहा कि यह व्यवधान विशेष रूप से उन मार्गों पर अधिक है जो निजी बसों पर अत्यधिक निर्भर हैं, जैसे कि गरिया स्टेशन से उल्टाडांगा तक ईएम बाईपास और वीआईपी रोड, बीटी रोड, जेस्सोर रोड और जीटी रोड खंड। उन्होंने कहा, ''मतगणना तिथि से पहले सेवाओं के सामान्य होने की संभावना नहीं है।''

मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं: बंगाल सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है और 'स्ट्रॉन्ग रूम' की 24 घंटे सीसीटीवी के जरिये निगरानी की जा रही है।

सीईओ का यह बयान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के 'स्ट्रॉन्ग रूम' पर घंटों बिताने और धांधली की आशंका जताए जाने के एक दिन बाद आया है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता और बेलियाघाट सीट से उम्मीदवार कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के निर्देश पर कार्यकर्ता और उम्मीदवार उन मतगणना केंद्रों की निगरानी कर रहे हैं, जहां ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखे गए हैं। अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा, इंतजाम के मद्देनजर किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने यह भी

कहा कि आरोप लगाने के लिए ठोस कारण और सबूत होना चाहिए और शिकायतें निराधार हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तरी और पूर्वी कोलकाता की कई विधानसभा सीट के लिए प्रस्तावित मतगणना स्थल खुदीराम अनुशीलन केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है, जहां ईवीएम के 'स्ट्रांग रूम' (वह स्थान जहां मतदान के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन रखी जाती है) भी स्थित हैं। कोलकाता के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) रूपेश कुमार ने इलाके का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''एक अतिरिक्त आयुक्त और एक पुलिस उपायुक्त की देखरेख में अतिरिक्त सीएपीएफ और सशस्त्र पुलिस बलों को भी तैनात किया गया है।'' कुणाल घोष ने शाम के समय डाक मतपत्रों के एक हिस्से को लाए जाने पर अनधिकृत गतिविधि होने की आशंका जताते हुए कहा कि पार्टी के मतदान एजेंट और उम्मीदवारों को इस संबंध में सतर्क कर दिया गया है।

निर्वतमान सरकार में मंत्री शशि पांजा बृहस्पतिवार शाम को मतगणना केंद्र पर धरना देने के बाद सुबह खुदीराम अनुशीलन केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि ''पारदर्शिता'' होनी चाहिए। बनर्जी भवानीपुर स्थित ईवीएम 'स्ट्रांग रूम' में लगभग चार घंटे बिताने के बाद बृहस्पतिवार देर रात वहां से गईं।

उन्होंने मतगणना प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी और संभावित अनियमितताओं का आरोप लगाया। घोष ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने उस कमरे में कुछ हलचल देखी थी, जिसमें कथित तौर पर डाक मतपत्र रखे गए हैं, लेकिन शुक्रवार की सुबह ऐसी कोई हलचल नहीं थी।

पश्चिम बंगाल के तीन जिलों से आयी चुनाव बाद हिंसा की खबर, पुलिस ने जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जिलों से चुनाव बाद की कथित हिंसा की कम से कम तीन घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उसने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले में इस्लामपुर थानाक्षेत्र के लोचनपुर में बृहस्पतिवार रात मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पोलिंग एजेंट रुहुल अमीन पर कथित तौर पर हमला किया गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि चाय की दुकान पर तृणमूल कांग्रेस के एक क्षेत्रीय पदाधिकारी के नेतृत्व में स्थानीय नेताओं ने अमीन पर हमला किया। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि रात में जब वह घर से बाहर निकले तब उनपर हमला किया गया। परिवार के एक सदस्य ने आरोप लगाया, ''उन्हें सरेआम पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई।'' उन्होंने बताया कि बाद में उन्हें बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

माकपा ने दावा किया कि शिकायत दर्ज किए जाने के बाद भी पुलिस ने आरंभ में कोई कार्रवाई नहीं की।

रानीनगर विधानसभा क्षेत्र से माकपा प्रत्याशी ने बाद में पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया। तब अधिकारी घटनास्थल पर गए।

चौहान ने ओडिशा के रायगड़ा में 1,698 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की उपस्थिति में ओडिशा के रायगड़ा जिले में 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (पीएमजीएसवाई)-4 की शुरुआत की।

शिवराज सिंह चौहान ने राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री रबी नारायण नायक की मौजूदगी में मुख्यमंत्री माझी को पीएमजीएसवाई-4 का स्वीकृति पत्र सौंपा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस पहल के तहत 1,698.04 करोड़ रुपए की लागत से 1,701 किलोमीटर लंबी 827 सड़क परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से 898 बस्तियों को पहली बार बारहमासी सड़क संपर्क मिलेगा, जिससे स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रायगड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था। उन्होंने कहा, सड़कें सिर्फ सड़कें नहीं हैं, वे ग्रामीण लोगों की जीवनरेखा और उनकी आजीविका का आधार हैं। हमारा संकल्प हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ना है।

कांग्रेस ने नरेन्द्र मोदी सरकार को मजदूर विरोधी करार दिया

नई श्रम संहिता की समीक्षा की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर 'मजदूर विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि नई श्रम संहिता की समीक्षा की जाए, मनरेगा को बहाल किया जाए और तथा 400 रुपए प्रतिदिन राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की जाए। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में आज की बेरोजगारी 'हम दो, हमारे दो' नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार ने 'हम दो हमारे दो' नीति की वजह से कामगार-विरोधी श्रम संहिता को लागू किया। इसकी वजह से नोएडा हो या पानीपत का आईओसीएल संयंत्र या रायखेड़ा में अदाणी की फैक्टरी या पतरातू का एनटीपीसी या फिर श्रीपेरुंबुदूर में सैमसंग की फैक्टरी – हर जगह अशांति बनी हुई है।'' उन्होंने कहा कि यह संहिता नौकरी की सुरक्षा के बजाय अनुबंधित श्रम तथा 'जब चाहा भर्ती कर ली, जब चाहा नौकरी से निकाल दिया' जैसी नीतियों को बढ़ावा देती हैं, इसलिए नई श्रम संहिता की समीक्षा की जाए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने जबरदस्ती संसद में कानून पारित कर मनरेगा को समाप्त कर दिया है। उन्होंने दावा किया, '' (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी ने मजदूरी के खर्च का 40 प्रतिशत बोझ राज्य सरकारों पर डाल दिया है। राज्य सरकारें यह खर्च नहीं उठा सकती हैं और अंतत: वे काम देना बंद कर देंगी।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने कामगारों को बेरोजगारी और 'गिग वर्क' की ओर धकेल दिया है तथा फिलहाल 69 प्रतिशत लोग न्यूनतम मजदूरी से कम पर काम कर रहे हैं ।

खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मजदूरी में ठहराव लाकर लोगों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा, ''महंगाई को अगर ध्यान में रखें तो पिछले एक दशक में (2014-15 से 2022-23) भारत के अधिकतर श्रमिकों की मजदूरी में सालाना एक प्रतिशत से कम की वृद्धि हुई है।''

''गिरगिटी भाषा'' का इस्तेमाल करते हैं मुख्यमंत्री : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह गिरगिटी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। इससे एक दिन पहले आदित्यनाथ ने कहा था कि सपा को रंग बदलते देखकर तो गिरगिट भी सकुचा जाए। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है।

लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, सच तो यह है कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है, भले ही भाजपा ऐसा नहीं चाहती थी।'' उन्होंने कहा, ''चूंकि परिसीमन के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल एकजुट थे, इसलिए भाजपा की साजिश (महिलाओं के साथ धोखा करने की) बेनकाब हो गई। इसीलिए, अपनी हार को छिपाने के लिए, वे बस महिलाओं (आरक्षण) के मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं।'' यादव ने कहा कि वे 'नारी वंदन' को महज एक 'नारा' बनाकर रखना चाहते हैं। आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री 'गिरगिटी भाषा' का इस्तेमाल करते हैं, यानी गिरगिट जैसी भाषा।

मतगणना केंद्र पर 'ड्रामाबाजी' कर रहीं ममता बनर्जी : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पिछली रात मतगणना केंद्र के सामने 'ड्रामाबाजी' करने का आरोप लगाया।

शुभेंदु ने भवानीपुर स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री चाहे दो दिन और इस तरह का नाटक करती रहें, लेकिन इससे नतीजे नहीं बदलेंगे। भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस प्रमुख के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले शुभेंदु ने कहा, वह (ममता) जो कर रही हैं वह 'ड्रामाबाजी' से कम नहीं है। वह वॉशरूम जैसी सुविधाओं से लैस गाड़ी में मतगणना केंद्र पहुंचीं और वहां चार घंटे तक रहीं। अगर वह परिणाम बदलना भी चाहती हैं, तो ऐसा कभी नहीं होगा। विपक्ष के नेता ने कहा, पश्चिम बंगाल में उनका (ममता का) सत्ता से बाहर होना तय है। शुभेंदु, पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से भी चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने ममता बनर्जी के ईवीएम में हेराफेरी के आरोपों पर कहा, उनकी योजना क्या है? वह जो कुछ कर रही हैं, वह सही नहीं है। वह हताश हैं क्योंकि वह हार रही हैं। पश्चिम बंगाल में परिवर्तन हो रहा है, और यह बात सभी जानते हैं। सही नतीजे चार मई की दोपहर तक पता चल जाएंगे। लेकिन भाजपा की सरकार आ रही है।

त्रिपुरा के नाम है सर्वाधिक 93.61 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड

नई दिल्ली/भाषा। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भारी मतदान के बावजूद, यह 2013 के त्रिपुरा चुनाव में दर्ज 93 प्रतिशत से अधिक मतदान के रिकॉर्ड से ऊपर नहीं जा सका। निर्वाचन आयोग के आकड़ों से यह स्पष्ट होता है। त्रिपुरा, नगालैंड और मणिपुर में विधानसभा चुनावों में वर्षों से 90% और इससे अधिक मतदान होता आ रहा है। अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में 92.67% मतदान के साथ पश्चिम बंगाल ने नगालैंड और मणिपुर को पीछे छोड़ दिया, जो स्वतंत्रता के बाद से राज्य का सबसे अधिक मतदान है। पश्चिम बंगाल में इससे पहले सर्वाधिक मतदान 84.72% 2013 के चुनाव में दर्ज किया गया था। त्रिपुरा में 2013 के चुनाव में 93.61 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो किसी भी राज्य में अब तक का सर्वाधिक मतदान है।

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बढ़ीं वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतें : उपेंद्र कुशवाहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने शुक्रवार को वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह इजाफा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण हुआ है और भारत का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। कुशवाहा ने पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, ''अंतरराष्ट्रीय स्थिति के कारण यह परिस्थिति पैदा हुई है। भारत का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है और इसकी थोड़ी बहुत मार सबको सहनी पड़ेगी।'' बिहार में अपराधियों से कथित मुठभेड़ के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह पुलिस का दायित्व है। उन्होंने कहा, ''यह काम पुलिस का है। पुलिस अपने अनुसार जो सही समझती है, वही कार्रवाई करती है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में उनकी पार्टी के विलय की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कुशवाहा ने इसे खारिज करते हुए कहा, ''यह फालतू बात है।'' अपने बेटे को बिहार विधान परिषद का सदस्य बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

लक्ष्य ने मैच प्वाइंट बचाकर भारत को चीनी ताइपे पर 1-0 की बढ़त दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होर्सेंस (डेनमार्क)/भाषा। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई।

लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आपस में रिकॉर्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों, सटीक स्ट्रोकप्ले और उतार-चढ़ाव से भरपूर रोमांचक द्वंद्व देखने को मिला। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। भारत बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगा जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का सामना चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन से होगा।

महेंद्र सिंह धोनी की तरह पांच आईपीएल खिताब जीतना चाहता हूं : केएल राहुल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्पष्ट किया कि खिताब के बिना व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई महत्व नहीं है और कहा कि उनकी दिली इच्छा महेंद्र सिंह धोनी के पांच आईपीएल खिताब की बराबरी करना है। आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में हाल में धोनी से आगे निकलने वाले राहुल ने इस उपलब्धि को कम करके आंका और टीम को प्राथमिकता देने वाले अपने दृष्टिकोण को दोहराया।

राहुल ने जिओस्टार से कहा, ''मुझे तो पता भी नहीं चला कि मैं माही भाई से आगे निकल गया हूं। व्यक्तिगत उपलब्धियां अच्छी होती हैं। इनसे भरोसा होता है कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रहा हूं। लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी धोनी जितनी ट्रॉफियां जीतने से होगी। क्रिकेट एक टीम खेल है। आप ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। आप सफल टीमों का हिस्सा बनना चाहते हैं। यही हमेशा से मेरा लक्ष्य रहा है।'' बल्लेबाज ने रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ अपने शानदार रिकॉर्ड के बारे में भी बात की, जिसका श्रेय उन्होंने अपने घरेलू मैदान से भावनात्मक लगाव को दिया। उन्होंने कहा, ''मैंने इस बारे में सोचा है कि क्या मेरे पास आरसीबी के लिए कोई खास रणनीति है, लेकिन मुझे इसका जवाब नहीं मिला है। चिन्नास्वामी मेरे लिए बहुत खास है। मैं वहीं पला-बढ़ा हूं और जब भी मैं उस मैदान पर खेलता हूं तो कुछ अलग ही अहसास होता है।''

सुविचार

अपनी कमजोरियों को अपनी ताकत बनाओ, हार को अपनी जीत का पहला पायदान बनाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसे दूर करें चूल्हे की चिंता

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी से चाय की दुकानों, होटलों और रेस्टोरेंटों पर अतिरिक्त आर्थिक भार आ गया है। यह आखिरकार ग्राहकों को ही उठाना पड़ेगा। इससे बाहर खाना-पीना महंगा हो जाएगा। पश्चिम एशिया में हिंसा का असर हमारी जेब पर पड़ रहा है। केंद्र सरकार की तीखी आलोचना हो रही है, जो होनी ही थी। इस समय सरकार किसी भी पार्टी या गठबंधन की होती, वह कीमत में बढ़ोतरी के फैसले को ज्यादा दिनों तक नहीं टाल सकती थी। यह हमारे लिए थोड़ा मुश्किल समय है, जिसका हमें मिलकर मुकाबला करना होगा। हमें इस विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। पूर्व में, जब भी समस्याएं आईं, भारत ने उनका समाधान ढूंढ़ा। उससे हमारा देश और मजबूत हुआ। ऐसे समय में ही हमारी शक्तियों और क्षमताओं का पता चलता है। पश्चिम एशिया में संकट कब टलेगा और कब भड़केगा, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। हमें आत्मनिर्भरता का रास्ता ढूंढ़ना होगा। हमें इतना समर्थ बनना होगा कि दुनिया में कहीं भी लड़ाई हो, हमारे घरों और प्रतिष्ठानों के चूल्हे जलते रहें। पहले, इसके लिए एक साल की ठोस योजना बनानी होगी। जिन घरों और प्रतिष्ठानों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचाना संभव हो, वहां काम शुरू किया जाए, उसे बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया जाए। इससे एलपीजी सिलेंडर आपूर्ति प्रणाली पर दबाव कम होगा। गांवों में ईंधन के कई विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं। वहां ऐसे चूल्हों की जरूरत है, जो धुआं कम से कम पैदा करें और आंच ज्यादा से ज्यादा दें। मिट्टी के परंपरागत चूल्हों की वापसी नहीं होनी चाहिए। उनके साथ लोगों का भावनात्मक जुड़ाव हो सकता है, लेकिन उन पर खाना बनाने में बहुत दिक्कत होती है।

हमारे वैज्ञानिकों को ग्रामीण क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए ऐसा ईंधन और ऐसा चूल्हा विकसित करना चाहिए, जो पर्यावरण और घर के बजट, दोनों के लिए अनुकूल हों। ऐसे कुछ विकल्प सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। उन पर विदेशों में बहुत काम हो रहा है। धातु से बने चूल्हों में छोटा पंखा लगाकर बेहतरीन इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का काम आसान हो सकता है। वे एलपीजी सिलेंडरों पर कम निर्भर होंगे। अगर ग्रामीण क्षेत्र में एक सामान्य परिवार सालभर में 10 सिलेंडरों का इस्तेमाल करता है और वह पर्यावरण के लिए अनुकूल दूसरे ईंधन एवं चूल्हे का इस्तेमाल करने लग जाए तो उसके द्वारा एलपीजी खपत आधी या चौथाई हो सकती है। इस गैस की आपूर्ति शहरों में की जा सकती है। वहां भी ऐसे विकल्प ढूंढ़ने होंगे, जो एलपीजी पर निर्भरता में कमी लाएं। शहरों में इंडक्शन चूल्हे के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही विद्युत आपूर्ति तंत्र को मजबूत किया जाए, ताकि वह इंडक्शन चूल्हों की विद्युत खपत को बर्दाश्त कर सके। सरकार को एक विशेष योजना के तहत विद्युत उत्पादन बढ़ाना चाहिए। सुबह और शाम, जब खाना बनाया जाता है, तब विद्युत यूनिट के शुल्क में छूट दी जाए। जब लोगों को पता चलेगा कि इंडक्शन चूल्हा काफी सस्ता पड़ता है तो वे घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का कम इस्तेमाल करेंगे। अगर उक्त योजना के अनुसार, शहरों के हर घर में इंडक्शन चूल्हा इस्तेमाल होने लगे तो भारत सालाना करोड़ों एलपीजी सिलेंडरों की बचत कर सकता है। ये सिलेंडर दुकानों, होटलों और रेस्टोरेंटों में काम लिए जा सकते हैं। भारत पर सूर्यदेव की अपार कृपा है। दुर्भाग्य से, हमने इस वरदान को पहचानने में बहुत देर कर दी। आज हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही, सोलर कुकर बहुत क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। हमारे पास इतने संसाधन मौजूद हैं, जिनका सही इस्तेमाल करें तो रसोईघर के ईंधन के लिए विदेशों की ओर देखना ही न पड़े।

ट्वीटर टॉक

मैंने कहा था – महंगाई की मार चुनाव के बाद पड़ेगी। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर 993 महंगा है। एक दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनाव का बिल है। फरवरी से अब तक 1,380 की बढ़ोतरी – सिर्फ 3 महीने में 81% की बड़ी बढ़ोतरी।

–अशोक गहलोत

भगवान महेश के वंशजों ने सेवा, त्याग और नेकी के गुणों को अपनाकर पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। व्यापार, उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में समुदाय का योगदान प्रेरणा देने वाला और मिसाल है।

–ओम बिरला

ओडिशा के किसानों की खुशहाली हमारा संकल्प है। प्रोग्रेसिव खेती को बढ़ावा देने के लिए, पूरे राज्य में सर्वे करने के लिए साइंटिस्ट की एक टीम बनाई जाएगी, ताकि इलाके के हिसाब से बेहतर फसलें चुनी जा सकें।

–शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

श्रद्धा और धर्मतत्व

धर्म का मूल है अंतःश्रद्धा। जो आत्मतत्व के लिए स्थिर नहीं रह सकता, वह उसे पा भी नहीं सकता। शुकदेव ने अपने पिता और गुरु व्यास जी से धर्मतत्व के हस्तगत होने का रहस्य पूछा। व्यास ने उन्हें राजा जनक के पास जाने को कहा, क्योंकि वे उन दिनों के सबसे बड़े ब्रह्मवेत्ता थे। शुकदेव वहां पहुंचे और राजा को सूचित किया। उत्तर मिला कि सात दिन ठहरना होगा, उसके बाद ही भेंट संभव होगी। शुकदेव बिना आतिथ्य और आश्रय के जहां-तहां भटकते हुए समय बिताते रहे। न उन्हें खीज आई, न रोष या असंतोष उभरा। समय लगता है, तिरस्कार होता है और कष्ट होता है, तो प्रयोजन पूरा करने की श्रद्धा बनी रहनी चाहिए। शुकदेव उन सात दिनों में यही सोचते रहे। नियत समय पर बुलावा आया, समुचित आतिथ्य हुआ और सम्मान के साथ उनकी जिज्ञासा का समाधान हुआ। जाते समय जनक ने कहा, 'श्रद्धा की शिथिलता और प्रखरता ही धर्मतत्व के प्राप्त होने या न होने का प्रमुख कारण है। आप जैसे श्रद्धालु ही खरे उतरते हैं और अमृतत्व प्राप्त करते हैं।'

सामयिक

परमाणु हथियारों से दुनिया का तीन बार विनाश संभव!

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

दुनिया के ताकतवर देशों ने कथित सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जोड़ रखा है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने की क्षमता जुटा ली गयी है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवीं रखा जा रहा है? वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव (इजरायल-ईरान), और चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।

रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं। दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ौतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे 'न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी' (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही।

हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं, सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं। यह बात ध्यान देने योग्य है कि अमरीका अपनी लम्बी दूरी की मिसाइल परीक्षण प्रणाली पर अरबों डॉलर रकम खर्च कर चुका है परंतु इसके बावजूद उसे टिकाऊ सुरक्षा प्राप्त नहीं हो सकी और अभी तक अमरीका हथियारों के निर्माण और फिर उन्हें समाप्त करने पर करदाताओं के 10 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। यह इतनी रकम है कि इससे गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट का ज्यादातर हिस्सा खरीदा जा सकता था।

आपको बता दें इस समय स्थिति यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प के अंतर्गत अमरीका कोई संधि नहीं करना चाहता और यह बात तो रूस के अनुकूल ही है कि वह न्यूक्लियर हथियार बनाए। परंतु इसमें हानि किसकी है? इसमें हानि सारी दुनिया की है कि इतना धन खर्च करके न्यूक्लियर हथियार बनाने के बाद जिस स्थान पर उनका परीक्षण किया जाएगा, उस स्थान और उसके आसपास के लोगों का भारी नुकसान होगा। दरअसल पिछली बार रूस ने जहां न्यूक्लियर हथियारों का परीक्षण किया था, उसके आसपास रहने वाले लोगों को वैसी ही समस्याओं से जूझना पड़ा था, जैसी समस्याओं और बीमारियों का सामना चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में लीकेज के समय लोगों को करना पड़ा था।

यदि कोई देश ऐसा करने के लिए भड़क उठे तो यही समस्याएं पैदा होंगी। कोल्ड वॉर के बाद अब पहली बार देश अपने हथियारों का जखीरा और इस्तेमाल के लिए तैयार वॉरहेड (बम) बढ़ा रहे हैं। 2026 की शुरुआत तक 9 न्यूक्लियर हथियार वाले देशों के पास लगभग 12,187 वॉरहेड थे और इनकी बढ़ती संख्या को हाई अलर्ट पर रखा गया है। न्यूक्लियर हथियारों से सम्पन्न लगभग सभी 9 देश अपने वर्तमान मौजूदा हथियारों को अपग्रेड करने के साथ-साथ इनमें नए एवं अधिक उन्नत संस्करण वाले हथियारों की वृद्धि कर रहे हैं। हालांकि इसराईल के पास भी काफी न्यूक्लियर हथियार हैं परंतु इनकी घोषणा न करने के कारण इसराईल को इनमें नहीं गिना जाता।

बता दें ये देश इस्तेमाल के लिए तैयार हथियारों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइलों पर तैनात या बॉम्बर बेस पर स्टोर किए गए इस्तेमाल के लिए तैयार न्यूक्लियर हथियारों की संख्या बढ़ा रहे हैं जो इस समय बढ़कर लगभग 9,745 हो गई है जो वर्ष 2024 से 141 अधिक है। इस समय अमरीका व रूस के पास ही दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत न्यूक्लियर हथियार हैं। चीन भी अपने हथियारों का भंडार काफी बढ़ाने के अलावा अपने एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम की टैस्टिंग भी कर रहा है।

इन हालात में ग्लोबल न्यूक्लियर रूलबुक कमजोर हो रही है और उक्त संधि चुनौतियों का सामना कर रही है। सैन्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और मिडल ईस्ट तनाव सहित बढ़ते झगड़ों के कारण न्यूक्लियर हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पिछले एक दशक के दौरान इस समय अपने सबसे उ्4चे स्तर पर है और इस होड़ के फैलने का खतरा चिंताजनक मोड़ पर है। इसका कारण यह है कि दुनिया के वर्तमान हालात में अधिक देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए न्यूक्लियर हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।इन दिनों कृत्रिम बुद्धिमता के परिणामस्वरूप भी तकनीकी खतरे बढ़ गए हैं और नए हथियारों के हाइपरसोनिक डिलीवरी सिस्टम के इंटीग्रेशन से सैन्य मामलों पर फैसले लेने के लिए उपलब्ध समय कम हो रहा है, जिससे अचानक या तेजी से न्यूक्लियर हमले का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में इस संधि का नवीकरण न किए जाने की स्थिति में दुनिया को न्यूक्लियर हथियारों से होने वाली एक और तबाही के लिए तैयार रहना होगा।

यदि कोई देश ऐसा करने के लिए भड़क उठे तो यही समस्याएं पैदा होंगी। कोल्ड वॉर के बाद अब पहली बार देश अपने हथियारों का जखीरा और इस्तेमाल के लिए तैयार वॉरहेड (बम) बढ़ा रहे हैं। 2026 की शुरुआत तक 9 न्यूक्लियर हथियार वाले देशों के पास लगभग 12,187 वॉरहेड थे और इनकी बढ़ती संख्या को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मुद्दा

एग्जिट पोल : बंगाल में हाई वोल्टेज ड्रामा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आजकल चुनाव में बड़ी भूमिका निभाने लगे है। चुनावी सर्वे करने वाली विभिन्न संस्थाओं से मिलकर किये जाने वाले सर्वेक्षणों में मतदाताओं का मूड जानने का प्रयास कर सटीक आकलन किया जाता है। कई बार ये सर्वे वास्तविकता के नजदीक होते है तो कई बार फैल भी हो जाते है। एग्जिट पोल को भी हम चुनावी सर्वे कह सकते है। यह मतदान के दिन किया जाता है। इसमें मतदान करके बाहर निकले मतदाताओं से पूछा जाता है कि उन्होंने किस पार्टी या प्रत्याशी को वोट दिया है। इससे मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है, जिससे यह अनुमान लग जाता है कि चुनाव के नतीजे क्या होंगे। एग्जिट पोल एक तरह का तिलिस्म है। जिस पार्टी के पक्ष में जाता है वह इसे सही ठहराता है और जिसके विपक्ष में जाता है वह इसे गलत बताते देर नहीं करता। कई बार एग्जिट पोल सही निकले है। हालांकि अनेक बार एग्जिट पोल का यह तिलिस्म औंधे मुंह भी गिरा है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव का मतदान बुधवार शाम को 6 बजे संपन्न होते ही खबरिया चैनलों में एग्जिट पोल की होड़ लग गई। वोटिंग पूरी होने के कुछ ही समय बाद नतीजों को लेकर विभिन्न एजेंसियों, मीडिया संस्थानों के पूर्वानुमान, यानी एग्जिट पोल सामने आ गए। महाएग्जिट पोल में बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की बम्पर जीत का दावा किया गया है। वहीं तमिलनाडु में डीएमके और केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ की जीत का अनुमान लगाया गया है। बंगाल में अधिकतर सर्वे भाजपा की जीत की बात कह रहे है तो कुछ सर्वे तृणमूल कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी कर रहे है। दूसरी तरफ सट्टा बाजार ने बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा सरकार, केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके की सरकार बनने की भविष्यवाणी करदी है। भाजपा खेमे में एग्जिट पोल देखकर उत्साह का माहौल है। सियासी पार्टियां अपने अपने हिसाब से एग्जिट पोल को सही अथवा गलत बता रहे है। हालांकि एग्जिट पोल का रिजल्ट से कोई लेना-देना नहीं है। कई बार एग्जिट पोल और चुनावी नतीजे में बड़े अंतर देखने को मिल जाता है। पांचों विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना 4 मई को होगी। तब यह साफ हो जाएगा कि एग्जिट पोल कितने सही हैं और कितने गलत। सबसे ज्यादा बंगाल के चुनाव को लेकर सरगर्मियां अपने उफान पर है। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी स्ट्रांग रूम के बाहर धरना और आंदोलन कर रही है। उनका आरोप है भाजपा गड़बड़ कर रही है। वहीं भाजपा और चुनाव आयोग बैलेट बॉक्स में छेड़छाड़ के आरोपों को गलत बताया है। अभी भी वहां हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है।

यह देखा गया है टीवी चैनल टीआरपी के चक्कर में अपनी लोकप्रियता दांव पर लगा देते है। यदि एग्जिट पोल सही जाता है तो बल्ले बल्ले अन्यथा साख पर विपरीत असर देखने को मिलता है। चुनाव के पहले और मतदान के बाद कई एजेंसियां सर्वेक्षण कराती हैं और संभावित जीत-हार के अनुमान पेश करती हैं। कई बार इन सर्वेक्षणों के नतीजे चुनावी नतीजों के करीब बैठते हैं तो कई बार औंधे मुंह गिर जाते हैं।

मतदाताओं का मूड भांपने का दावा करने वाले ऐसे सर्वेक्षणों में कई बार लोगों और राजनीतिक दलों की दिलचस्पी दिखाई देती है। कोई दावा नहीं कर सकता कि हमारे देश में चुनाव पूर्व सर्वेक्षण तरह विश्वसनीय होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने सभी विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच पहुंचने का प्रयास किया। एक बात निर्विवाद रूप से कही जा सकती है की देशभर में सर्वाधिक चर्चित बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत होती है तो इसका समूचा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को दिया जा सकता है। मोदी और शाह ने बंगाल में धुंआधार प्रचार कर भाजपा के पक्ष में जबर्दस्त हवा खड़ी कर दी थी ।

नजरिया

वैश्विक हिंसा सदी की बड़ी त्रासदी

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा अजीत पवार को रायगढ़ के खालापुर में यशवंतराव चव्हाण मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के 'मिसिंग लिंक' प्रोजेक्ट के तहत बनी दुनिया की सबसे चौड़ी अंडरग्राउंड टनल के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स सर्टिफिकेट लेते हुए।

भारत ने ब्रिक्स महिला कार्य समूह की पहली प्रारंभिक बैठक की मेजबानी की

नयी दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस साल भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स महिला कार्य समूह की पहली प्रारंभिक बैठक (तैयारी बैठक) वर्चुअल माध्यम से आयोजित की। अधिकारियों ने बताया कि यह बैठक 30 अप्रैल को आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई गई। मंत्रालय के अनुसार, बैठक में महिलाओं को आर्थिक विकास, सुशासन और सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख चालक बताया गया। बैठक में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों के साथ भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अधिकारी शामिल हुए। संयुक्त राष्ट्र महिला और 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (फिक्की) के प्रतिनिधियों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव कैरलिन खोंगवार देशमुख ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए चर्चा की शुरुआत की। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' से प्रेरित होकर, बैठक में महिलाओं से संबंधित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन मुद्दों को चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया– जिनमें शासन और नेतृत्व में महिलाएं, वित्तीय और डिजिटल समावेशन, महिला उद्यमिता एवं कौशल विकास और जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा तथा पोषण में महिलाओं की भूमिका शामिल हैं।

फिल्म निर्माता की ऑस्कर ट्रॉफी गुम हुई, न्यूयॉर्क हवाई अड्डे पर सुरक्षाकर्मियों ने हथियार समझा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉस एंजिलिस। अकादमी पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्र 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' के सह-निर्देशक एवं रूसी फिल्म निर्माता पावेल तालांकिन की ऑस्कर ट्रॉफी तब गुम हो गई जब न्यूयॉर्क हवाई अड्डे पर सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें इसके साथ उड़ान भरने से रोक दिया। इस साल के अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर वृत्तचित्र का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' में मुख्य भूमिका निभाने वाले तालांकिन ने बताया कि बुधवार को जॉन एफ केनेडी हवाई अड्डे पर एक अधिकारी ने उनसे कहा कि वह लगभग 3.8 किलोग्राम वजनी ट्राफी को विमान में अपने साथ नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि मार्च में ऑस्कर जीतने के बाद से वह बिना किसी घटना के एक दर्जन से अधिक बार ट्रॉफी के साथ हवाई यात्रा कर चुके हैं। लुफ्थांसा की उड़ान से बृहस्पतिवार सुबह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पहुचे तालांकिन ने कहा, यह बात पूरी तरह से समझ से परे है कि वे ऑस्कर (ट्रॉफी) को हथियार कैसे मानते हैं... (मैंने) इसे अपने साथ कैबिन में लेकर यात्रा की है, और कभी कोई समस्या नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि जांच बिंदु पर मौजूद लुफ्थांसा एयरलाइन के एक एजेंट ने उन्हें गेट तक ले जाने और उड़ान की पूरी अवधि के लिए ट्राफी को रखने की पेशकश की, लेकिन सुरक्षा अधिकारी ने इनकार कर दिया। तालांकिन ने कहा कि ऑस्कर ट्रॉफी को कॉकपिट में रखने के प्रस्ताव को भी हवाई अड्डे के सुरक्षा अधिकारियों और लुफ्थांसा के एक पर्यवेक्षक ने खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म के कार्यकारी निर्माता रॉबिन हेसमैन से संपर्क कर हवाई अड्डे के सुरक्षा अधिकारियों और एयरलाइन कर्मचारियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान अनुवाद में मदद करने को कहा।

कोई विकल्प न होने के कारण, तालांकिन को पुरस्कार को कार्गो के रूप में दर्ज करने के लिए कहा गया। अपने सामान की पहले ही जांच करा चुके फिल्म निर्माता को एयरलाइन अधिकारियों द्वारा गत्ते का डिब्बा दिया गया, और फिर दो एजेंटों ने ऑस्कर ट्रॉफी को 'बबल रैप' में लपेटा तथा उसे परिवहन के लिए ले गए। इस पूरी प्रक्रिया को तालांकिन ने अपने फोन में रिकॉर्ड किया। हालांकि, जब फिल्म निर्माता फ्रैंकफर्ट पहुंचे, तो वह डिब्बा कहीं नहीं मिला। हेसमैन ने कहा, उन्होंने (तालांकिन) आज सुबह फ्रैंकफर्ट से मुझे फोन किया और बताया कि लुफ्थांसा के पास वह नहीं है। उन्होंने उसे (ट्रॉफी) खो दिया है।

उन्होंने कहा कि डिब्बे का रसीद टैग होने के बावजूद, एयरलाइन उसे ढूंढ़ नहीं पाई। हॉलीवुड समाचार प्रतिष्ठान 'डेडलाइन' को दिए एक बयान में लुफ्थांसा ने कहा, हमें इस स्थिति पर गहरा खेद है। हमारी टीम इस मामले को अत्यंत सावधानी और तत्परता से देख रही है, और हम ऑस्कर ट्रॉफी को जल्द से जल्द ढूंढ़कर वापस करने के लिए व्यापक आंतरिक खोज कर रहे हैं। समाचार प्रतिष्ठान के अनुसार, ऑस्कर के जीवित विजेता, दुर्लभ मामलों में, जहां उनका पुरस्कार खो गया हो या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया हो, अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (एएमपीएएस) से संपर्क करके ट्रॉफी की दूसरी प्रति देने का अनुरोध कर सकते हैं। रूस में शिक्षक रहे तालांकिन यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी स्कूलों पर राष्ट्रवादी और सैन्यवादी पाठ्यक्रम थोपने के क्रेमलिन के आदेश का उल्लंघन करने के बाद निर्वासन में रह रहे हैं।

अभियोजकों ने व्हाइट हाउस में रात्रिभोज के दौरान हमले की कोशिश का वीडियो जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन। संघीय अभियोजकों ने उस घटना का वीडियो जारी किया है जिसमें एक व्यक्ति बंदूक और चाकू के साथ 'व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंटस एसोसिएशन' के डिनर में घुसने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वॉशिंगटन की अमेरिकी अटॉर्नी जीनीन पाइरो ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर इन सवालों के बीच यह वीडियो साझा किया कि जब आरोपी कोल टॉमस एलन सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए होटल के बॉलरूम की ओर बढ़ रहा था तो सीक्रेट सर्विस अधिकारी को गोली किसने मारी। प्रारंभ में अभियोजकों ने कहा था कि अधिकारी को बुलेट प्रूफ जैकेट में गोली लगी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि गोली एलन ने चलाई थी या नहीं। हालांकि, पाइरो ने कहा कि अब तक कोई सबूत नहीं है कि अधिकारी को 'फ्रेंडली फायर' में गोली लगी हो।

वीडियो में कथित रूप से एलन को मेटल डिटेक्टर (मैग्नेटोमीटर) से गुजरते हुए और एक अधिकारी की ओर हथियार तानते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद अधिकारी ने पांच गोलियां चलाईं। वीडियो में यह स्पष्ट नहीं है कि एलन ने कब गोली चलाई। शनिवार रात वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुई इस घटना ने देश की राजधानी में आयोजित एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न कर दी। एलन को घटना के दौरान चोट लगी लेकिन उसे गोली नहीं लगी। बृहस्पतिवार को उसे अदालत में पेश किया गया। उसे मुकदमे तक हिरासत में रहना होगा। उसने कोई याचिका दाखिल नहीं की।

सीक्रेट सर्विस डायरेक्टर सीन कुर्रान ने एजेंसी की सुरक्षा व्यवस्था का बचाव करते हुए कहा कि हमले को कुछ ही सेकंड में बाहरी सुरक्षा घेरे में ही रोक दिया गया। वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि एलन घटना से एक दिन पहले होटल में घूम रहा था और जिम भी गया था।

चीन ने ताइवान को अमेरिका-चीन संबंधों के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया, ताइवान ने जताई चिंता

ताइपे। ताइवान ने चीन के उस बयान पर शुक्रवार को चिंता जताई, जिसमें उसने कहा है कि स्वशासित ताइवान, चीन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। ताइवान की सरकार ने यह चिंता चीन और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई बातचीत के कुछ घंटे बाद बीजिंग के संबंधित बयान के बाद जताई। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ताइवान का विदेश मंत्रालय चीन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति को लेकर चिंतित है जिसमें एक बार फिर ताइवान मुद्दे पर धमकी भरी बातें की गई हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत में कहा कि अमेरिका को ताइवान के मुद्दे पर सही विकल्प चुनना चाहिए।

इसी साल शुरू होगी रणवीर सिंह स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'प्रलय' एक पोस्ट-एपोकैलिप्टिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें जॉम्बी ड्रामा को पूरी तरह नए अंदाज में फिल्माया जाएगा। यह फिल्म वीएफएक्स पर आधारित भव्य एक्शन थ्रिलर होगी, जिसका अनुमानित बजट लगभग 300 करोड़ रुपए है। फिल्ममेकर इसे भारतीय सिनेमा के अब तक के सबसे बड़े और शानदार प्रोजेक्ट्स में से एक बनाने की तैयारी कर रहे हैं।फिल्म 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद रणवीर सिंह इस फिल्म में एकदम नए और अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। फिल्म की कहानी एक डिस्टोपियन दुनिया पर आधारित है। फिल्म की कहानी को जय मेहता और विशाल कपूर ने मिलकर लिखा है। इसे हंसल मेहता की 'ट्रू स्टोरी फिल्म्स' और रणवीर सिंह की 'मां कसम फिल्म्स' के बैनर तले 'अपलॉज एंटरटेनमेंट' के सहयोग से तैयार किया जा रहा है। सूत्र ने यह भी स्पष्ट किया कि रणवीर और जय मेहता के बीच अच्छा तालमेल है और दोनों फिल्म को भव्य स्तर पर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।गौरतलब है कि पहले कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि 'प्रलय' उपन्यास 'ब्लाइंडनेस' पर आधारित है, लेकिन हंसल मेहता ने इन खबरों का खंडन किया था।

'मजनू भाई' बनने के लिए अनिल कपूर को नहीं करनी पड़ी थी ज्यादा मेहनत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'सूबेदार' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में अभिनेता के एक्शन और अग्रेशन ने फैंस का दिल पूरी तरह से जीत लिया है लेकिन इसी बीच अभिनेता ने अपनी फिल्म और किरदारों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि फिल्म वेलकम में 'मजनू भाई' के किरदार के लिए उन्होंने वर्षों पहले तैयारी कर ली थी। अनिल कपूर अपने हर किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाते हैं और किरदार को पर्दे पर जीवंत करने के लिए पूरी जान लगा देते हैं। यही कारण है कि उनके द्वारा निभाए गए किरदार वर्षों तक उनके जेहन में जिंदा होते हैं और मौके पर उन्हीं किरदारों में बदलाव करके वह पर्दे पर नया किरदार निभाते हैं। ऐसा ही उन्होंने 1990 की फिल्म 'आवारगी' के गैंगस्टर के किरदार के साथ किया, जिसने उन्हें वेलकम में मजनू भाई बनने की प्रेरणा दी। एक यूजर के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए अनिल कपूर ने लिखा, आवारगी शायद मेरी सबसे चर्चित फिल्म न रही हो, लेकिन यह किरदार मेरे दिल से कभी नहीं निकला। सालों बाद वही किरदार मजनू भाई के पीछे प्रेरणा बनकर लौटा, बस थोड़ा हल्के अंदाज में। कंधे झुकाने का तरीका, हाव-भाव, पागलपन, पहले महेश भट्ट की दुनिया में, बाद में अनीस बज़्मी के अंदाज में जिंदगी का चक्र पूरा होता है।

'आवारगी' में अनिल कपूर का किरदार खतरनाक गैंगस्टर का था, जो अपने उसूलों के खिलाफ जाकर वेश्यालय से मीनाक्षी शेषाद्री को बचाता है।

फिल्म एक लव-ट्राएंगल बन जाती है, क्योंकि गोविंदा भी मीनाक्षी से प्यार करते हैं। इस फिल्म में अभिनेता के किरदार को सबसे ज्यादा पसंद किया गया था, क्योंकि पर्दे पर कॉमेडी और रोमांस करने अनिल कपूर को दर्शकों ने पहली बार खतरनाक गैंगस्टर के निगेटिव किरदार में देखा गया था। वहीं फिल्म 'वेलकम' का सीन भी कुछ ऐसा ही है। फिल्म में अभिनेता गैंगस्टर बने हैं, लेकिन उनके किरदार में कॉमेडी का तड़का है। साथ ही वह मल्लिका शेरावत से प्यार कर बैठते हैं, जिससे गैंगस्टर उदय शेट्टी (नाना पाटेकर) का भी दिल लगा है।

बचाव

जम्मू और कश्मीर के जम्मू जिले में शुक्रवार, को बंटालाब इलाके में एक अंडर-कंस्ट्रक्शन पुल गिरने के बाद मलबा हटाती एक जेसीबी, जिससे कई मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका बढ़ गई है।

आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं : अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।उन्होंने कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

मुझे इरफान खान यह कहते सुनाई देते हैं कि के.आसिफ की बायोपिक फिल्म बनाओ : तिग्मांशु धूलिया

मुंबई/भाषा। निर्देशक तिग्मांशु धूलिया का कहना है कि उन्होंने ''मुगल-ए-आजम'' के निर्देशक के. आसिफ पर एक बायोपिक बनाने का विचार दिवंगत इरफान खान के साथ मिलकर किया था। उन्होंने कहा कि भले ही अभिनेता इरफान अब दुनिया में नहीं हैं, लेकिन वह इस सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

इरफान के निधन की छठी बरसी पर तिग्मांशु ने बुधवार को अपने साझा सपने को याद करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है जैसे अभिनेता उन्हें इस परियोजना को पूरा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

एक दुर्लभ 'न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर' से जूझने के बाद 29 अप्रैल 2020 को इरफान का निधन हो गया और उस समय वह 54 वर्ष के थे।

धूलिया ने ''पान सिंह तोमर'' पर बने वृत्तचित्र ''ए स्टोरी दैट रिफ्यूज्ड टू डाई'' की विशेष स्क्रीनिंग में कहा, ''जिस फिल्म पर मैं लंबे समय से काम कर रहा हूं और जिसकी शुरुआत इरफान से मेरी बातचीत से हुई थी, वह फिल्म 'मुगल-ए-आजम' के निर्देशक के. आसिफ पर आधारित एक बायोपिक है। इमरान से मेरी बातचीत में तय हुआ था कि हम एक दिन इस फिल्म पर काम करेंगे एवं इसे बनाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं इरफान के साथ यह फिल्म करना चाहता था और मुझे पता है कि इरफान मुझे रोक नहीं रहे हैं, बल्कि कह रहे हैं, 'यह फिल्म बनाओ'।''

पान सिंह तोमर 2012 में बनी थी, जो धावक तोमर के जीवन पर आधारित फिल्म है।

तोमर ने सेना में भर्ती होने से पहले टोक्यो में 1958 के एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। घर में भूमि विवाद के कारण उन्हें एक खूंखार डाकू बनने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

''पान सिंह तोमर'' धूलिया और इरफान, दोनों के करियर की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माता ने बताया कि 1980 के दशक में दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में उनकी मुलाकात इरफान से हुई थी और दोनों दोस्त बन गए थे।

धूलिया ने 2003 में अपनी पहली निर्देशित फिल्म ''हासिल'' में इस अभिनेता को निर्देशित किया और बाद में ''चरस'' (2004), ''पान सिंह तोमर'' (2012) और ''साहब, बीवी और गैंगस्टर रिटर्न्स'' (2013) पर काम किया।

आज के समय में 'मैं हूं ना' जैसी फिल्म दोबारा बनाना थोड़ा सा मुश्किल है : अमृता राव

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अमृता राव ने अपने करियर में कई फिल्में की हैं, लेकिन साल 2004 की एक्शन-कॉमेडी 'मैं हूं ना' उनके लिए मील का पत्थर साबित हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने संजना का किरदार निभाया था। यह किरदार आज भी खासकर आज की जेन जी लड़कियों के बीच काफी लोकप्रिय है। गुरुवार को फिल्म ने अपने रिलीज के 22 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री अमृता राव ने इंस्टाग्राम के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने फिल्म के कुछ सीन्स का मोंटाज वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने फिल्म का लोकप्रिय गाना 'किसका है ये तुमको इंतजार मैं हूं ना' जोड़ा। अमृता ने लिखा, 'मैं हूं ना' गुरुवार को अपनी सालगिरह मना रहा है। यह फिल्म मेरे करियर की एक ऐसी फिल्म है, जो समय के साथ और भी बढ़ती जा रही है।

अभिनेत्री ने आगे फिल्म निर्देशक फराह खान की जमकर तारीफ की। उन्होंने निर्देशक को 'झांसी की रानी' बताते हुए लिखा कि फराह उस समय अपने से बहुत आगे की सोच रखती थीं। अमृता ने लिखा, फिल्म का ड्रेसिंग स्टाइल, हेयर, हेयरस्टाइल और 'चले जैसे हवाएं' जैसा कठिन 'वन-टेक' गाना आज भी बेमिसाल है।

अमृता ने अपनी पोस्ट में फिल्म के उन किरदारों को भी याद किया, जिन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया। अभिनेत्री ने सतीश शाह द्वारा निभाए गए 'थूकने वाले प्रोफेसर', बिंदु जी का 'मिस चांदनी' के प्रति ईर्ष्या वाला किरदार और मेजर राम (शाहरुख खान) के साथ उनके फ्लर्टिंग सीन्स का जिक्र किया। अमृता ने लिखा, आज के समय ऐसी फिल्में दोबारा बनाना थोड़ा सा मुश्किल है। यह फिल्म हम सबके बचपन का हिस्सा है और हमेशा दिल के करीब रहेगी। आज इस मौके पर अपने किसी खास इंसान को यह वीडियो भेजें और कहें- मैं हूं ना।

साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'मैं हूं ना' में अमृता ने संजना बख्शी (संजू) का किरदार निभाया था। संजना आधुनिक, बेपरवाह और चुलबुली लड़की थी, जो लक्ष्मण प्रसाद शर्मा (जायद खान) को पसंद करती थी। फिल्म में उनका मेकओवर और शाहरुख खान के साथ उनके भावनात्मक दृश्य काफी लोकप्रिय हुए थे।

दादी परिवार ने किया राणीसती दादी का मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा हर माह की भांति इस माह में भी दादी परिवार की ओर से गणेश मंदिर में राणी सती दादी का मंगल पाठ का आयोजन किया गया। गणेश वन्दना के शुरू हुए मंगल पाठ में दोपहर को महाआरती, महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह, सुमन गुप्ता, प्रभा तोदी, वीरा कामदार, मधु चौधरी, मंजु पारस, सरिता तुल्सयान आदि अनेक सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। गोपाल शाह व उनकी टीम ने प्रसाद वितरण किया।

महाश्रमण दीक्षा दिवस पर संयम एवं व्रत की चेतना को जगाएं : मुनि पुलकित कुमार

होसूर में आयोजित हुआ आचार्य महाश्रमण का दीक्षा दिवस कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में शुक्रवार को तेरापंथ सभा होसूर के तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमण के 53वें दीक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि संयम का सुख भाग्यशाली को ही मिलता है, व्यक्ति जितना हो सके असंयम से बचे, बचने का प्रयास करना चाहिए तथा अपने भीतर संयम के भावों को बढ़ाते रहना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य महाश्रमण ने 12 वर्ष की उम्र में गुरुदेव तुलसी की आज्ञा से मंत्री मुनि सुमेरमलजी लाडनूं के कर कमलों से आज के दिन मुनि दीक्षा स्वीकार की थी।

आचार्यश्री का 53 वां दीक्षा दिवस मनाया जा रहा है इससे हमें संयम की चेतना को जगाने की प्रेरणा लेनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि प्रतिदिन किसी भी एक वस्तु का त्याग अवश्य करें। इस तरह अनावश्यक असंयम के पाप से बचा जा सकता है। श्रावक समाज 12 व्रत को धारण करने का संकल्प लें। मुनि आदित्य कुमार ने जय महाश्रमण गुरुराज भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अर्हत वंदना से हुआ। महाश्रमण अष्टकम का संगान शांतिबाई जैन, स्वीटी बाबेल ने किया। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सुनैना नाहर ने विचार प्रस्तुत किया। मंगल बाफना ने स्वागत भाषण दिया। ज्ञानशाला की तरफ से दक्ष सेठिया, गर्व नाहर, गरिमा हर्ष पीपाड़ा, वर्धन बाफना, धृति बाफना, झलक बाबेल ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। नम्रता सेठिया एवं निकिता बाफना ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन विनय सेठिया ने किया।

शिक्षा रूपी दूध में संस्कार की शक्कर जरुरी : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

सात दिवसीय जीवन निर्माण शिविर 4 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सम्बोधि परिवार के तत्वावधान एवं आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी की निश्रा में पुझाल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ में आगामी 4 मई से बालक व युवाओं के लिए 'जीवन निर्माण शिविर' का आयोजन किया जाएगा। इस सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ आगामी सोमवार प्रातः होगा। शिविर में लगभग 250 बालक शामिल होंगे। शुक्रवार को प्रवचन में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी 'रील लाइफ'

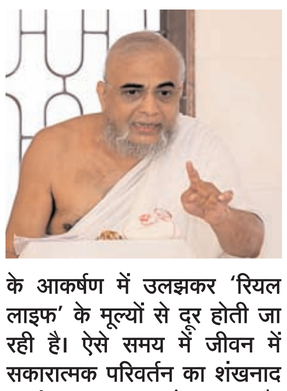

के आकर्षण में उलझकर 'रियल लाइफ' के मूल्यों से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का शंखनाद अत्यंत आवश्यक हो जाता है। उन्होंने सरल उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे दूध में शक्कर मिलाने से उसका स्वाद बढ़ जाता है, वैसे ही शिक्षा रूपी दूध में संस्कार रूपी शक्कर मिलाने से जीवन का स्तर ऊंचाइयों तक पहुंच जाता है। शिविर के दौरान बच्चों को योग, ध्यान, परमात्मा की अष्ट प्रकारी पूजा, विविध खेल गतिविधियां एवं भावपूर्ण संध्या भक्ति के माध्यम से सर्वांगीण विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही आचार्यश्री के ज्ञानवर्धक प्रवचनों के माध्यम से पर्सनल डेवलपमेंट, आईक्यू डेवलपमेंट, एंगर एवं नेचर मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर पंन्यासश्री ज्ञानबोधिविजयजी, मुनिश्री ज्ञानरुचि विजयजी, जिनागम विजयजी एवं ज्ञान योगविजयजी भी अपने सारगर्भित विचारों से बालकों का मार्गदर्शन करेंगे।

खतरनाक इमारतों और पेड़ों की पहचान के लिए पहल शुरू : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) ने दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात जाम की समस्या कम करने के लिए शहर भर में खतरनाक संरचनाओं और पेड़ों की पहचान करने की पहल शुरू कर दी है। यह कदम पिछले दो दिनों में शहर में हुई बारिश से संबंधित तबाही के मद्देनजर उठाया गया है, जिसकी वजह से 10 लोगों की मौत हो गई है और व्यापक क्षति हुई है। इनमें से सात लोगों की मौत बुधवार को उस वक्त हुई जब भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण बोरिंग अस्पताल परिसर की दीवार उनके ऊपर गिर गई।

प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को नागरभावी स्थित टर्फ अड्डा में 'बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट लेबर-डे कप 2026' का आयोजन किया गया जिसमें 10 टीमों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जब व्यक्ति निष्ठा एवं ईमानदारी से मेहनत करता है तो वह स्वयं को ईश्वर के निकट महसूस करता है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

महाश्रमण दीक्षा दिवस पर संयम एवं व्रत की चेतना को जगाएं : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में शुक्रवार को तेरापंथ सभा होसूर के तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमण के 53वें दीक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि संयम का सुख भाग्यशाली को ही मिलता है, व्यक्ति जितना हो सके असंयम से बचे, बचने का प्रयास करना चाहिए तथा अपने भीतर संयम के भावों को बढ़ाते रहना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि आचार्य महाश्रमण ने 12 वर्ष की उम्र में गुरुदेव तुलसी की आज्ञा से मंत्री मुनि सुमेरमलजी लाडनूं के कर कमलों से आज के दिन मुनि दीक्षा स्वीकार की थी।ङ्ङआचार्यश्री का 53 वां दीक्षा दिवस मनाया जा रहा है इससे हमें संयम की चेतना को जगाने की प्रेरणा लेनी चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि प्रतिदिन किसी भी एक वस्तु का त्याग अवश्य करें। इस तरह अनावश्यक असंयम के पाप से बचा जा सकता है। श्रावक समाज 12 व्रत को धारण करने का संकल्प लें। मुनि आदित्य कुमार ने जय महाश्रमण गुरुराज भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अर्हत वंदना से हुआ। महाश्रमण अष्टकम का संगान शांतिबाई जैन, स्वीटी बाबेल ने किया। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सुनैना नाहर ने विचार प्रस्तुत किया। मंगल बाफना ने स्वागत भाषण दिया। ज्ञानशाला की तरफ से दक्ष सेठिया, गर्व नाहर, गरिमा हर्ष पीपाड़ा, वर्धन बाफना, धृति बाफना, झलक बाबेल ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। नम्रता सेठिया एवं निकिता बाफना ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन विनय सेठिया ने किया।

नेत्र जांच शिविर में हुई 68 लोगों की निशुल्क जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को 'मेडीबैंक प्रोजेक्ट' के अंतर्गत निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बादलचंद सुगनकंवर चोरड़िया योजना के तहत चेन्नई मेट्रो महावीर एवं शंकरा आई हॉस्पिटल, पम्मल के सहयोग से शांतिदेवी जवाहरमल चंदन डे-केयर एवं डायग्नोस्टिक सेंटर में आयोजित हुआ। उत्तम संजय विजय रांका परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विकास ललवानी ने बताया कि शिविर में कुल 68 व्यक्तियों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 34 मरीजों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया।

संस्था के अध्यक्ष राजेश रांका ने सभी सहयोगियों और चिकित्सकीय टीम का आभार व्यक्त किया। इस सेवा कार्य में आरवाईए कॉस्मो मे सचिव राकेश ललवानी, प्रोजेक्ट कोषाध्यक्ष विनोद छाजेड़, विनोद भूतोरिया, अरुण बोहरा, प्रवीण बोहरा, लक्ष्मीपत भटेरा, राज बाफना, प्रवीण मेहता, नरेंद्र बोथरा, महेंद्र पुंगालिया, संजय रांका, विकास जैन, अभिषेक पटवा, राजकुमार झामड़, अभय मेहता, संजीव जैन एवं नवीन मेहता आदि ने सहयोग दिया।

कर्नाटक कैबिनेट ने एससी के लिए आंतरिक आरक्षण के फैसले को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण पर अपने पूर्व के फैसलों की पुष्टि की है और भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है। इन संशोधनों में अधिसूचनाओं को वापस लेना और दोबारा जारी करना तथा 400-सूत्री रोस्टर प्रणाली को अपनाना शामिल है।

कर्नाटक के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने बैठक के बाद बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि मंत्रिमंडल ने एससी के लिए निर्धारित 15 प्रतिशत आरक्षण के भीतर उप-आरक्षण लागू करने और विभिन्न विभागों में लंबे समय से लंबित भर्तियों को तेज करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

एच के पाटिल ने कहा, मंत्रिमंडल ने पिछली बैठकों (16 अप्रैल और 24 अप्रैल) में लिये गए फैसलों की पुष्टि की और आरक्षण नीतियों से संबंधित संशोधन किए। उन्होंने बताया कि सरकार अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत के आरक्षण के भीतर विभिन्न वर्गों के लिए निर्धारित अनुपात में उप-आरक्षण लागू करेगी और उसी के अनुरूप भर्ती अधिसूचनाओं में संशोधन करेगी, साथ ही 400-सूत्री रोस्टर का पालन किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि भर्ती में एससी के लिए तीन से कम रोस्टर प्वॉइंट' बनते हैं, तो सभी 101 अनुसूचित समुदायों को एससी सामान्य श्रेणी के तहत प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी। पाटिल ने आगे कहा कि जिन भर्ती अधिसूचनाओं में आंतरिक आरक्षण को शामिल नहीं किया गया है, उन्हें वापस लेकर संशोधित नीति के अनुरूप दोबारा जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा, यदि उच्चतम न्यायालय एससी/एसटी के लिए 24 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देता है, तो पहले से रिक्त (बैकलॉग) छह प्रतिशत पदों को भरा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 56,432 स्वीकृत पदों को भरने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शुक्रवार को राजस्थानी निवास में स्वामी विवेकानंद ब्लड बैंक एवं राजस्थानी संघ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 150 सदस्यों ने भाग लिया तथा110 सदस्यों ने रक्तदान दिया। राजस्थानी संघ के अध्यक्ष निर्मल संतोष मूंदड़ा ने दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया। संघ के कोषाध्यक्ष रोबिन बाबेल, समिति सदस्य अर्पित बोरा, जगदीश एवं सुरभि महिला मंडल की बीना मूंदड़ा, विवेकानंद सेवा केन्द्र के शंकर, आरएसएस मंडल के सचिव सीपी लिबिन उपस्थित थे।

कभी मगध में जैन और बौद्ध धर्म थे स्वर्णिम इतिहास के शिखर पर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को होसपेट के एमजे नगर में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि यशस्वी मौर्य सम्राट अशोक अपने प्रारंभिक काल में जैन थे। बाद में उनकी बौद्धधर्मी पत्नी तिष्यगुप्ता के कारण उन्होंने बौद्धधर्म स्वीकार किया था। अशोक के पौत्र सम्राट संप्रति ने विदेशों में जैनधर्म का व्यापक प्रसार-प्रचार किया था। सातवीं शताब्दी तक मगध देश में जैन और बौद्ध धर्म अपने स्वर्णिम इतिहास के शिखर पर थे। वैशाली, राजगृही, नालंदा, चंपा, कौशांबी, पाटलिपुत्र आदि ऐतिहासिक नगर कभी तीर्थंकर महावीर और तथागत बुद्ध की विहरण भूमि से दमकते रहे। यहां से दोनों ही परंपराओं ने अहिंसा, मैत्री, करुणा और मानवता का दिव्य संदेश जन-जन के लिये प्रसारित किया था।ङ्गजैनाचार्य ने कहा कि तीर्थंकर महावीरस्वामी और तथागत बुद्ध के विचारों में अनेक साम्यताएं हैं। मनुष्य के स्वभाव, मनोविज्ञान, अध्यात्म और जगत के स्वरूप से संबंधित उनकी अनेक प्रेरणादायी बातें अर्थसंपन्न और समानार्थी हैं। ये दोनों ही धर्म श्रमण संस्कृति की परंपराएं कहलाती हैं। बौद्ध धर्मग्रंथों में जैनधर्म से संबंधित अनेक सकारात्मक उल्लेख मिलते हैं। वहां जैन साधुओं के लिए निर्ग्रन्थ शब्द का बार बार उल्लेख हुआ है। ज्ञातव्य हैं कि तथागत बुद्ध ने कभी जैनधर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ की परंपरा में दीक्षा ग्रहण की थी, लेकिन उन्हें जैन साध्वाचार कठिन लगा। कुछ माह तक जैन श्रमण रहकर, आखिरकार तथागत बुद्ध ने मध्यम मार्ग के रूप में बौद्धधर्म का प्रवर्तन किया।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि जैनधर्म के आगम शास्त्र प्राकृत की अर्द्धमागधी भाषा में लिए गए हैं, जबकि बौद्धधर्म के त्रिपिटक प्राकृत की पाली भाषा में निबद्धित हैं। ज्ञान, विद्या, स्थापत्य, कला तथा दार्शनिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों में सदैव प्रतिस्पर्धा में रहा बौद्धधर्म, सातवीं शताब्दी में परास्त हो गया। तब शंकराचार्य और अन्य विद्वानों ने मीमांशा तथा वेदांत दर्शन के आधार पर उसे वादविवाद में पराजित किया। इसके बाद भारत से इस परंपरा का पतन प्रारंभ हुआ, जो बारहवीं शताब्दी तक निरंतर जारी रहा। इस कालखंड में अपने अस्तित्व के लिए कड़ा संघर्ष करते हुए बौद्धधर्म भारत के बाहर श्रीलंका, तिब्बत, चीन, जापान, कोरिया, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और भूटान आदि देशों में पहुंचा। इन देशों में बौद्धधर्म की अलग-अलग शाखाएं विकसित हुईं, जो आज तक वहां की संस्कृति का हिस्सा हैं।ङ्गइससे पूर्व कोप्पल से विहार करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और अन्य श्रमणजन होसपेट पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रावक-श्राविकाओं ने उनका स्वागत किया।

एमजे नगर के वासुपूज्य जिनालय में सामूहिक चैत्यवंदना हुई। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि सभा में जैनाचार्य के आगामी प्रवास व कार्यक्रमों की स्वीकृति लेने हेतु संडूर, बल्लारी, कंपली, गंगावती, सिंधनूर, रायचूर एवं कुणसी के संघीय पदाधिकारी प्रवचन सभा में सम्मिलित हुए। सभी क्षेत्रों के लिए जैनाचार्य ने तिथियों की घोषणा की। बेंगलूरु, कोट्टूर, होसपेट एवं कोप्पल के भक्तगणों ने भी निवेदन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.